



Li SEC 877

भारत का राजपत्र



भारत सरकार

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46] नई विल्ली, शनिवार, नवम्बर 12, 1977 (कार्तिक 21, 1899)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 12, 1977 (KARTIKA 21, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और भास्तुखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों प्लारा जारी की गई अधिसंघनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नंई दिल्ली, दिक्क २४ अक्टूबर १९७७

स० 2/49/75-प्रशासन — श्री ए० के० मन्थाल, शनुभाग
अधिकारी, जिनको अधिसूचना सं० 2/49/75-प्रशासन दिनाक्र
19-12-75 से केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त का निजी सचिव नियुक्त
किया था, को 26-9-77 अपराह्न से शनुभाग अधिकारी के
पद पर प्रवृत्ति कर दिया गया।

श्री निवास,
श्रवर मन्त्रिय

गह मन्त्रालय

(नार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1977

स० ए०-१९०१५/१/७६-प्रश्ना०-५—न्याय विभाग से स्थानान्तरण हो जाने पर, श्री श्रो० वी० मरन, अनुभाग अधिकारी ने दिनांक १४/९/७७ के पूर्वाल्प से अगले आदेश तक

के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मे अनुभाग अधिकारी के पद का कार्य-भार सभाल लिया है।

भूदेव पाल,
प्रशसन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण छायरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अक्टूबर 1972

म० ०-II-८९६/७३-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ शिक्षितमा अधिकारी श्रीमती नरसिंहा देवी टीगला, बेस हास्पीट संकेन्द्रीय गिरजब पुलिस दल हैदराबाद, का त्यागपत्र दिनांक ३१-८-१९७७ अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० 0-II-1038/75-स्थापना.—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ऊषा जैन को, 3-10-77 के पूर्वात्मा में केवल 3 माह के लिये, शशवा उस पद पर नियमित नियुक्ति हेतु तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर नवर्थ रूप में नियुक्त किया ।

दिनांक 24 अक्टूबर 1977

सं. पी०-6-7/76-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कामण्डर-क्वार्टर मास्टर) को उनकी सदर्य पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं :—

इन प्रधिकारियों के पद स्थापन, स्थान और उनके पद छोड़ने तथा पद गृहण करने की तिथियों उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्रम संख्या	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़े की तिथि	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार सभाला पद ग्रहण करने की तिथि	
1	2	3	4	5	6
1.	श्री एम० एम० गील	. डी० एस० पी० 29 बटालियन	15-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 42 बटालियन	27-7-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० एम० मेठी	. डी० एस० पी० 45 बटालियन	7-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 45 बटालियन	7-7-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री जे० एन० लेतियापतरा	. डी० एस० पी० 30 बटालियन	20-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 12 बटालियन	23-7-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम० एम० ब्रेग	. डी० एस० पी० आई०/ सी० एम० डी० इन्सपैक्शन टीम सी० आर० पी० एफ० हैदराबाद।	16-8-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 18 बटालियन	25-8-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एस० वर्मा	. डी० एस० पी० 5 बटालियन	14-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 30 बटालियन	21-7-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एन० एस० आईरम	. डी० एन० पी० जी० सी० सी० आर० पी० एफ० भुवनेश्वर	15-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 52 बटालियन	15-7-77 (पूर्वाह्न)
7.	श्री सुरेन्द्र नाथ	. डी० एस० पी० जी० सी० सी० आर० पी० एफ० नीमच	18-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 10 बटालियन	24-7-77 (पूर्वाह्न)
8.	श्री य० बी० एम० टिओटिया	. डी० एस० पी० 3 सिंग बटालियन रामपुर	18-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 38 बटालियन	29-7-77 (पूर्वाह्न)
9.	श्री सी० आर० कोका	. डी० एस० पी० 32 बटालियन	20-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट जी० सी० सी० आर० पी० एफ० भुवनेश्वर	30-7-77 (पूर्वाह्न)
10.	श्री रमेश चन्द्र	. डी० एस० पी० जी० सी० सी० आर० पी० एफ० रामपुर	13-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 25 बटालियन	18-7-77 (पूर्वाह्न)
11.	श्री बी० के० बोहरा	. डी० एस० पी० 2 बटालियन	18-7-77 (पूर्वाह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 16 बटालियन	18-7-77 (अपराह्न)
12.	श्री डी० जे० एस० छिल्लन	. डी० एस० पी० 22 बटालियन	6-7-77 (अपराह्न)	सहायक कमाण्डेन्ट 22 बटालियन	7-7-77 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5	6
13.	श्री रिचपाल सिंह	डी० एस० पी० महानिवेशालय सी० आर० पी० एफ०	15-7-77 (पूर्वाह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 50 बटालियन	15-7-77 (पूर्वाह्नि)
14.	श्री एन० एस० विहान	डी० एस० पी० 32 बटालियन	26-7-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 24 बटालियन	30-7-77 (अपराह्नि)
15.	श्री पी० एस० सन्धु	डी० एस० पी० 1 मिग बटालियन सी० आर० एफ०	6-7-77 (पूर्वाह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 1 सिग बटालियन सी० आर० पी० एफ०	6-7-77 (अपराह्नि)
16.	श्री एन० एस० मोखाषत	डी० एस० पी० 51 बटालियन	9-8-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 44 बटालियन	16-8-77 (पूर्वाह्नि)
17.	श्री सी० सी० पूनाचा	डी० एस० पी० 8 बटालियन	8-9-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 10 बटालियन	10-9-77 (पूर्वाह्नि)
18.	श्री के० एस० बी० सुबरामलियन	डी० एस० पी० 3 सिग बटालियन	12-7-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 6 बटालियन	13-7-77 (पूर्वाह्नि)
19.	श्री एफ० सवारियापा	डी० एस० पी० जी० सी० सी० आर० पी० एफ० श्रावडी	19-7-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 28 बटालियन	20-7-77 (अपराह्नि)
20.	श्री जे० एस० विरारक	डी० एस० पी० सी० टी० सी० 1 सी० आर० पी० एफ० नीमच	25-7-77 (अपराह्नि)	सहायक कमाण्डेन्ट 27 बटालियन	31-7-77 (पूर्वाह्नि)

दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० पी० सात० 4/76-स्थापना-6.—राष्ट्रपति निम्नलिखित सूबेदारों को उप-पुलिस अधीक्षक (कपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार बटालियन में उनके समक्ष दी हुई तिथियों से संभाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जिस युनिट में स्थानापन्न किया गया।	कार्यभार में अनुकूल ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री एम० एम० खान	32 वाहिनी	27-9-77 (पूर्वाह्नि)

1	2	3	4
1.	श्री एम० एम० खान	32 वाहिनी	27-9-77 (पूर्वाह्नि)
2.	श्री जे० नागाभूषणम्	19 वाहिनी	1-10-77 (पूर्वाह्नि)

ग० के० व्योपाध्याय,
सहायक निदेशक

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ई०-32015 (1)/2/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति पर, श्री एम० बेणू गोपाल को डब्ल्यू० ज० डासन के स्थान पर पहली सितम्बर 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक के० औ० सु० ब० यूनिट आई० एस० आर० औ० थुम्बा का कमांडेट नियुक्त करते हैं। श्री डासन ने श्री हारी कोटा रेज में स्थानान्तरित होने पर, उसी तारीख के पूर्वाह्नि से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (2)/4/77-कार्मिक—थुम्बा से स्थानान्तरित होने पर, श्री डब्ल्यू० ज० डासन ने 12 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्नि से के० औ० सु० ब० यूनिट एस० एच० ए० आर० सेटर श्री हारी कोटा रेज के कमांडेट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/10/77-कार्मिक—दुर्गपुर में स्थानान्तरित होने पर, श्री नील मणि ने 29 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्नि से के० औ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० दुर्गपुर के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दुर्गपुर मे स्थानात्मित होने पर श्री आर० के० मुखर्जी ने 29 जुलाई 1977 के पूर्वाहि से के० आर० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० दुर्गपुर के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सौ० सिं० बिष्ट,
महानिरीक्षक/के०आर०सु०ब०

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

स० 7 एफ० सी० 2 (20)-ए०/77—श्री आर० के० जुनेजा, अनुसंधान अधिकारी को योजना आयोग से उनका तबादला होने पर 30 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से अगला श्रादेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग मे प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्ती पर 700-1300 रुपए के वेतनमात्र मे अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल,
अवर सचिव

कार्यालय महालेखाकार

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध,
नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1977

स० प्र० 1/2 (1)/V/3041—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्नलिखित अनुशासन अधिकारियो को उनके नामो के शारे दर्शाई गई तिथियो मे 840-40-100-ई० बी०-40-1200 रु० के वेतनमात्र मे अनन्तिम आधार पर अस्थाई लेखा अधिकारियो के रूप मे यहर्ष पदोन्नति करते है।

नाम	पदोन्नति की तिथि
1. श्री एस० आर० नागिया	6-10-77 (पूर्वाहि)
2. श्री डी० पी० माथुर	6-10-77 (अपराह्न)

एस० एस० मान,
उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय,

बंबई-400020, दिनांक 12 अक्टूबर 1977

स० प्र० 2/आ० ले० वि०/31-खण्ड-3/15—महालेखाकार महाराष्ट्र-I, बंबई अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित मवस्थों को उनके नाम के मम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक

से आगामी श्रादेश सकास्थानापन्न रूप मे लेखा अधिकारी नियुक्त करते है।

क्र०	नाम	दिनांक
1	श्री जोसेफ आब्राहम	29-9-77 पूर्वाहि
2.	श्री जी० एन० मेलमणी	28-9-77 अपराह्न

श्रीमती र० क० कुट्टी,
वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रसासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

स० प्र० प्र० 17-14/72—श्रीधीनस्थ रेलने लेखा परीक्षा सेवा, के स्थायी सदस्य श्री श्री भगवान पाठक को आगामी श्रादेश तक, दिनांक 1-10-77 (पूर्वाहि) से स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय (निर्माण), उत्तर रेलवे, माधोपुर, कझमीरी गेट, दिल्ली मे नियुक्त किया जाता है।

रघुनन्दन जोशी,
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

स० 40011 (2)/77-प्र० (ए)—(1) निम्नलिखित को हम विभाग की अधिसूचना स० 40011 (2)/77/प्र०-ए० दिनांक 13-9-77 के पैरा 3 के रूप मे जोड़ा जाता है—

(क) श्री आर० एस० एल० गोयल, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवानिवृत्ति पूर्व 12-9-77 से 31-12-1977 तक 111 दिन की अर्जित छुट्टी मजूर की गई है।

(ख) श्री आर० सौरीराजन, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 18-9-77 से 31-12-77 तक 105 दिन की अर्जित छुट्टी मजूर की गई है।

2. निम्नलिखित को हम विभाग की अधिसूचना स० 40011 (2)/77/प्र०-ए० दिनांक 22-7-1977 के पैरा 7 के रूप मे जोड़ा जाता है—

(क) श्री हरभजन मिह, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-8-77 से 30-11-1977 तक 122 दिन की अर्जित छुट्टी मजूर की गई है।

(ख) श्री के० जी० नरसिंहराव, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-9-77 से 30-11-1977 तक 90 दिन की अर्जित छुट्टी मजूर की गई है।

(ग) श्री जी० मी० टण्डन, लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 21-9-77 से 30-11-77 तक 133 दिन की अर्जित छुट्टी मजूर की गई है।

3 निम्नलिखित को विभाग की अधिसूचना सं-400011 (2)/77/प्रशा० ए० दिनांक 9-6-77 के पैरा 5 के रूप में जोड़ा जाता है —

- (क) श्री एम० जी० गोड बोले स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-7-77 से 31-10-77 तक 123 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (ख) श्री आर० पी० बेरी, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 18-4-77 से 20-7-77 तक 94 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (ग) श्री एस० गोपालन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-6-77 से 31-8-77 तक 92 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (घ) श्री एन० ब्री० पण्डित, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-7-77 से 31-10-77 तक 123 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।

4. निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं-400011 (2)/77/प्रशा० ए० दिनांक 19-4-77 के पैरा 5 के रूप में जोड़ा जाता है —

- (क) श्री जे० एल० पुरी, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 16-8-77 से 30-9-77 तक 46 दिन की छुट्टी मजूर की गई है।
- (ख) श्री ओ० पी० चौपडा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 28-6-77 से 30-9-77 तक 95 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (ग) श्री एम० के० तेम्बूरनिकर, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 12-9-77 से 30-9-1977 तक 19 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (घ) श्री पी० एम० मैनन, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 18-8-77 से 21-7-77 तक 4 दिन की अंजित छुट्टी तथा 22-7-77 से 31-7-77 तक 10 दिन की अधिकारी छुट्टी मजूर की गई है।
- (ङ) श्री एम० बी० माबणे, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 18-8-77 से 31-8-77 तक 14 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (च) श्री आर० एम० दोमज, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 16-5-77 से 31-8-77 तक की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।

5 निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं-400011 (2)/77/प्रशा० ए० दिनांक 19-4-77 के पैरा 6 के रूप में जोड़ा जाता है —

श्री एम० एल० धावन से सबन्धित क्रम सं 17 के मामले शीर्षक “ग्रेड” के अन्तर्गत निम्नलिखित मशोधन किया गया है —

स्थानापन्न लेखा अधिकारी के लिए
स्थायी लेखा अधिकारी पढ़ें।

6. निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं-40011 (2)/76/प्रशा० ए० दिनांक 21-3-77 के पैरा 8 के रूप में जोड़ा जाता है —

- (क) श्री ए० के० गागुली, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-7-77 से 31-7-77 तक 30 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (ख) श्री ए० मी० कपूर स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 15-7-77 से 31-7-77 तक 17 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।
- (ग) श्री गार० के० आयगर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 25-7-77 से 31-7-77 तक 7 दिन की अंजित छुट्टी मजूर की गई है।

आर० बेकटररम्प,
रक्षा लेखा उप महा नियन्त्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैब्रिरिया,
भारतीय आर्डनैन्स फैब्रिरिया सेवा

कलकता-700016, दिनांक 26 मितम्बर 1977

सं 53/7/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-II के पद पर उनके मामले दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

- (1) श्री जे० बी० मक्सेना, 13 जून, 1977
स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-I
- (2) श्री एम० पी० सिन्हा, 13 जून, 1977
स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-I

सं 54/7/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-II निदेशक (ए० डी० जी० ओ० एफ० I ग्रेड-I) के पद पर, उनके मामले दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

- (1) श्री जे० डब्लू० कवायेकर, दिनांक 21 जून, 1977
स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II
- (2) श्री डी० आर० आयर, दिनांक 21 जून, 1977
उप निदेशक/स्थायी ए०
डी० जी० ओ० एफ०

ग्रेड-II

सं 55/7/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ०, ग्रेड-II उप महाप्रबन्धक के पद पर, उनके मामले दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

- (1) श्री डी० नटराजन, स्थायी प्रबन्धक 11 मार्च, 1977
- (2) श्री जी० एम० नंदिनी, स्थायी प्रबन्धक 21 जून, 1977
- (3) श्री बी० एम० शायर, स्थायी प्रबन्धक 21 जून, 1977
- (4) श्री बी० एन० एम० माथुर, 21 जून, 1977
स्थायी सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०
- (5) श्री डी० एम० पी० श्रीवास्तवा, 21 जून, 1977
स्थायी प्रबन्धक

स० 56/77/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री ओ० पी० गुरुवारा,	11 मार्च, 1977
स्थायी उप-प्रबन्धक	
(2) श्री ए० ए० ए० मूर्ति,	11 मार्च, 1977
स्थायी उप-प्रबन्धक	
(3) श्री आर० गोविन्दराजन्,	11 मार्च, 1977
स्थायी उप-प्रबन्धक	

स० 57/77/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

(1) श्री जी० बी० शिवकुमार,	19 मार्च, 1977
* महायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	
(2) श्री ए० ए० ए० जयप्रकाश,	19 मार्च, 1977
महायक प्रबन्धक (परखावधि पर)	
(3) श्री जी० के० गनादे, स्थानापन्न	19 मार्च, 1977
महायक प्रबन्धक	
(4) श्री बी० बी० शर्मा,	19 मार्च, 1977
स्थानापन्न प्रबन्धक (परखावधि पर)	
(5) श्री पी० माहू, महायक प्रबन्धक	19 मार्च, 1977
(परखावधि पर)	
(6) श्री वालदेव कृष्णा,	19 मार्च, 1977
स्थानापन्न महायक प्रबन्धक	
(7) श्री गोविन्द राम,	19 मार्च, 1977
स्थानापन्न, महायक प्रबन्धक	

स० 58/77/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महायक प्रबन्धक/ए० ओ० येड-II के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

(1) श्री ए० रोक्यू, स्थानापन्न फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(2) श्री के० ए० विश्वानाथन्,	22 जून, 1977
स्थायी फोरमैन	
(3) श्री ए० पी० दत्ता, स्थायी फोरमैन	25 अप्रैल, 1977
(4) श्री पी० मी० मित्र, स्थानापन्न फोरमैन	19 अप्रैल, 1977
(5) श्री आर० पी० अग्रवाल,	19 अप्रैल, 1977
स्थानापन्न स्टोर होल्डर	
(6) श्री तुलुराम शर्मा, स्थानापन्न	19 अप्रैल, 1977
स्टोर होल्डर	
(7) श्री जी० ए० मजूमदार,	14 मई, 1977
स्थानापन्न फोरमैन	
(8) श्री ए० जौन्स, स्थानापन्न,	20 जून, 1977
स्टोर होल्डर	
(9) श्री जी० ए० राहलकर,	10 मई, 1977
स्थानापन्न स्टोर होल्डर	

दिनांक 4 अक्टूबर 1977

स० 63/जी०/77—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

श्री सी० ए० रनपीरो,	11 मार्च, 1977
स्थायी उप-प्रबन्धक	

स० 64/जी०/77—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं —

श्री टी० चन्द्रशंखरन्,	10 मई, 1977
स्थानापन्न स्टोर होल्डर	
श्री ए० म० रमाचंद्रन्,	18 मई, 1977
स्थायी स्टोर होल्डर	

दिनांक 14 अक्टूबर 1977

स० 67/77/जी०—राष्ट्रपति श्री डी० ए० परदासनी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) का त्यागपत्र दिनांक 7 जुलाई, 1977 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

स० 68/77/जी०—राष्ट्रपति श्री बी० पी० ए० सोरायण को 11 महीनों के लिए अस्थायी उप-प्रबन्धक के पद पर, दिनांक 15 फरवरी, 1977 से नियुक्त करते हैं।

स० 69/77/जी०—राष्ट्रपति श्री बी० पी० घटर्जी, भूतपूर्व स्थानापन्न वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० को 11 महीनों के लिए अस्थायी उप-प्रबन्धक के पद पर, दिनांक 7 फरवरी, 1977 से नियुक्त करते हैं।

स० 70/77/जी०—राष्ट्रपति श्री के० ए० जयसवाल, स्थानापन्न फोरमैन को 11 महीनों के लिए अस्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर, दिनांक 4 अप्रैल, 1977 से नियुक्त करते हैं।

ए० पी० आर० पिलाय,

महायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरिया

श्रम मत्तालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक नवम्बर 1977

स० 23/3/77-सी०पी०आई०—मितम्बर, 1977 मे श्रीचो-पिक श्रमिकों का अद्वितीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1977 के स्तर से चार अंक बढ़ कर 331 (तीन सौ हृकतीस) रहा। सितम्बर, 1977 का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 402 (चार सौ दो) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

आयात तथा नियंत्रण व्यापार नियन्त्रण स्थापना

(स्थापना)

म० 6/713/63-प्रशासन (राज०)/7523—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और हम कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित, श्री एन० ए० कोहली को 1-8-77 से 31-8-1977 की अवधि तक या जब तक स्थान रिक्त है, हमसे जो भी पहले हो उस तक उसी सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2 राष्ट्रपति, श्री एन० ए० कोहली को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

म० 6/713/63-प्रशासन (राज०)/7533—सेवा नियंत्रण की आयु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी और स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित श्री एन० ए० कोहली ने 31 अगस्त, 1977 के दोपहर बाद से हम कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वे० शेषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1977

म० 6/1169/77-प्रशासन (राज०)/7488—मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित, दि अजय कोशापरेटिव हाउसिंग सोमा-इटी लि०, बम्बई के सहायक निदेशक, श्री बी० एम० मनरल को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में दिनांक 20 जनवरी, 1977 के दोपहर पूर्व से अगला प्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियंत्रक, आयात-नियंत्रित द्वितीय श्रेणी के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के रूप में श्री मनरल अपना वेतन 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1200 के वेतन मात्र में नियमानुसार प्राप्त करेंगे।

आणुतोष मुख्यर्जी,
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित
कृत मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

संयुक्त मुख्य-नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

मद्रास-600001, दिनांक 1977

आवेदा

विषय—5302/- रुपए के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस संख्या-पी०/एम०/1823308/सी०/एकम० एकम०/58/एम०/41-42, दिनांक 16-2-76 की सीमा शुल्क प्रति को रद्द करना।

सं० मर्वश्री मार्डन आफसेट प्रिटर्स, 43/1 वैलयूथम रोड, सिवाकासी को अप्रैल-मार्च 1976 की नीति के अनुमार

(1) लिथोप्रेफाइट जस्ता शीट्स, (2) रबर ब्लैकेट्स और (3) सादी फिल्मो सहित रोल, कट साईज एवं फोटोग्राफिक प्रिटिंग पेपर में तंयार फिल्म के आयात के लिए अप्रैल 1976 की अवधि के लिए 5302/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०/एम०/1823308/सी०/एकम०/58/एम०/41-42, दिनांक 16-2-76 प्रदान किया गया था।

पार्टी ने उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति को अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पजीकृत कराए बिना ही और विकुल उपयोग में लाए बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। आगे अपने तर्क के समर्थन में एक शापथ-पत्र भी दाखिल किया गया है।

इस बात से मन्तुष्ट होते हुए कि मूल लाइसेंस संख्या-पी०/एकम०/1823308/सी०/एकम०/58/एम०/41-42, दिनांक 16-2-76 की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। यह निश्चय किया गया है कि फर्म को इसके पूर्ण मूल्य 5302/- रुपए के लिए अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

विषयाधीन लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है।

एम० नरमिहा,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

धन्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

म० ए०-12011/5/77-डी० सी० पाच०—राष्ट्रपति, श्री राजेन्द्र कुमार को, 29 अगस्त 1977, के पूर्वात्मा से आगामी आदेश तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी, में उप-निदेशक (रजक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

(कु०) रेणू साहनी,
उप-विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

म० प्र०-6/247 (412)/63—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के कलकत्ता निरीक्षण मण्डल के स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) और स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) श्री शार० श्री० दाम दिनांक 30 सितम्बर, 1977 के शपरात्र से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

सं० 4 (43)/77-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती शारदा सं भावे को आकाशवाणी, बम्बई मे 28-9-77 के अप्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप मे नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 अक्टूबर 1977

सं० 5 (10)/68-एम०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० वेंकट रमन को, आकाशवाणी, विजयवाडा मे 22-9-77 मे, अप्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप मे नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (64)/77-एम०-१—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जावीद अख्तर को, आकाशवाणी बम्बई मे 4-10-77 से अप्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप मे नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (66)/77-एम० एक०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा डा० जगदीश नारायण भोलाराम शर्मा को आकाशवाणी, खालियर मे 5-10-1977 से अप्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप मे नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

सूचना और प्रसारण मंदिरालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ए०-12025/1/77-स्थापना:—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री कौशल कुमार वर्मा को इस निदेशालय मे सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप मे दस अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्नि) मे अप्रिम आदेश तक नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते विं० दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मितम्बर 1977

सं० ए० 24012/23/77-के० स्वा० से०-३-पी० एच० (आई० एच०) —अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I के एक अधिकारी डा० एम० एम० चक्रवर्ती ने 3 अगस्त, 1977 अपराह्न से पत्तन स्वास्थ्य सगठन, कलकत्ता से उप पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 4 अगस्त, 1977 अपराह्न मे हवाई पत्तन स्वास्थ्य सगठन, दमदम मे हवाई पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

ओ० पी० बाली
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 मितम्बर 1977

सं० ए०-12026/4/77-स्टोर-II—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने मुख्य लेखा परीक्षक, एन० एफ० रेलवे, माली गाव, गोहाटी-II के शनुभाग अधिकारी श्री एम० एम० शिकदर को 1 अगस्त, 1977 पूर्वाह्नि से शारामी आदेशों तक चिकित्सा गामगी भन्डार गोहाटी मे लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ए०-12024/1/76-प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जी० के० सच्चर को दन्त-चिकित्सा सर्जन के पद पर निम्नलिखित अवधियो के लिए तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

(1) डा० एन० फिन्टो-डी० रोपारियो, स्टाफ सर्जन (दन्त चिकित्सा) (केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना) के छुट्टी पर चले जाने से उनके स्थान पर 16 मई, 1977 से 10 जुलाई, 1977 तक।

(2) डा० पी० के० मरीन, इन्त चिकित्सा सर्जन (के० स० स्वा० यो०) के छुट्टी पर चले जाने से उनके स्थान पर 11 जुलाई, 1977 से 27 जुलाई, 1977 तक।

(3) विलिंगडन अस्पताल एवं उपचर्या गृह, नई दिल्ली के दन्त चिकित्सा सर्जन डा० (श्रीमती) मनजीत कौर के छुट्टी पर चले जाने से उनके स्थान पर 28 जुलाई, 1977 से 5 अगस्त, 1977 तक।

(4) 1 मितम्बर, 1977 से शारामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन।

दिनांक 19 अक्टूबर 1977

शुद्धी पत्र

सं० ए०-31013/17/76- (जे० आई० पी०) प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की दिनांक 20 मितम्बर, 1977 की अधिसूचना सभ्या ए० 31012/17/76- (जे० आई० पी०) प्रशासन-१ मे “20 अगस्त, 1977” के स्थान पर “20 अगस्त, 1976” पढ़े।

सं० ए० 12025/7/77- (एम० डी०) प्रशासन-१—राष्ट्रपति ने डा० सत्येन्द्र नाथ बोस को 27 मितम्बर, 1977 पूर्वाह्नि से शारामी आदेशों तक भारत सरकार के सीरम विज्ञानी और रसायन परीक्षक, कलकत्ता के कायलिय मे जीव-रसायन के पद पर स्थानापन आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

शुद्धि-पत्र

सं० 9-34/75-के० म० स्वा० यो०-I:—इस निदेशालय की दिनांक 10-8-77 की अधिसूचना स्थाया ए०-11017/1/77-के० स० स्वा० यो०-I का पैरा 2 को कृपया इस प्रकार पढ़ा जाए : “केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर की डा० (श्रीमती) उमिला गौतम, आयुर्वेदिक फिजिशियन तदर्थ ने 14 जुलाई, 1977 पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया है।”

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

सं० ए० 12026/2/77-डी० सी०.—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औपधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री सी० एल० चौधरी, अनुसंधान सहायक (औपधि रसायनविज्ञान) को 10 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (औपधि रसायनविज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/3/77-प्र० नि०.—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औपधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री एम० के० चैटर्जी, अनुसंधान सहायक (जीव-रसायन) को 12 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव-रसायन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/3/77-डी० सी०.—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औपधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री बी० एन० सरकार, अनुसंधान सहायक (औपधि रसायनविज्ञान) को 10 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (औपधि रसायनविज्ञान) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

एम० एस० गोठोस्कर,
ओपधि नियंत्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1977

सं० फोईन 4-6(7)/74-प्र० III.—इस निदेशालय के सहायक विषयन अधिकारी श्री आर० पी० सचदेवा की सेवाओं को दिल्ली कृषि विषयन परिषद् के अधीन कृषि उपज मंडी समिति, आजातपुर में सचिव के रूप में नियुक्त होने पर विदेश सेवा शर्तों पर दिनांक 1 अगस्त, 1977 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए सौपी जाती है।

सं० फोईन 4-6(103)/76-प्र० III:—इस निदेशालय में सहायक विभाग अधिकारी श्री आर० बो० सहू द्वारा दिए गए 2-326G/77

त्यागपत्र की स्वोच्छता कलकत्ता में दिनांक 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से उन्हे उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

सं० फाईल 4-13(56)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की सस्तुतियों के अनुसार श्री एम० एन० पाटिल, वरिष्ठ रसायनज्ञ को इस निदेशालय में मद्रास में दिनांक 19 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० फाईल 4-6 (125)/77-प्र० III—श्री बी० के० सिंधंल, वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन और निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली में दिनांक 26 मितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए अल्प सालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध होने हैं वोनों में जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग III), नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला,

निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विषयन सलाहकार

दिल्ली दुर्घट योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

सं० 3-16/77-स्था० (विशेष)—अध्यक्ष, दिल्ली दुर्घट योजना, श्री के० के० महाजन को दिल्ली दुर्घट योजना में दिनांक 7-10-77 (अपराह्न) से लेखा अधिकारी (प्रूप 'बी' राजपत्रित) के रूप में प्रति नियुक्ति पर अगले आदेश जारी होने तक सहर्व नियुक्त करते हैं।

गोरखा राम, अध्यक्ष

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रप एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई 400 001, दिनांक 6 अक्टूबर 1977

सं० डी० पी० एम०/ए०/32011/2/75-स्था०/30588—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रप एवं भंडार निदेशालय की दिनांक 17 फरवरी, 1977 की समसज्जयक अधिसूचना के क्रम में क्रप एवं भंडार निदेशक, गुजरात राज्य के महालेखाकार के कार्यालय के एत स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० आर० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त है, उसी निदेशालय में 28 फरवरी, 1977 को समाप्त होने वाली अतिरिक्त अवधि के लिए तदर्थ आधार पर अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
कृते प्रशासन अधिकारी

मुम्बई-400 001, दिनांक 15 मार्च 1977

सं० डी० पी० एम०/ए०/32011/2/75-स्था०-6300—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रप एवं भंडार निदेशालय के निदेशक

इस निवेशालय की 17 फरवरी, 1977 की समसंख्यक अधिकारी सुचना के क्रम में, भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी नियिक पूर्व इन निवेशालय के महायक स्थानापन्न लेखा तार श्री अब्दुल आजिज शेख को 13 जनवरी, 1977 से 15 जनवरी, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए महायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थी आपार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त महायक लेखा अधिकारी श्री के० पी० वाडिग्रा वो स्थान पर की जा रही है, जिन्होने अपनी छुट्टी की अवधि बढ़ा दी है।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कामिक अधिकारी

मराठ परमाणु त्रिवृत परियोजना

कनूलम 603 102, दिल्ली 14 अक्टूबर 1977

सं० ए० ए० पी० पी०/३ (1232)/77-प्रशा०—दक्षिणी
रेलवे के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री ए० धर्मर

को 5 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

के० बालकृष्णन,
प्रशासन-अधिकारी
०

भारी पानी परियोजनाये

बम्बई-400 008, दिल्ली 24 अक्टूबर 1977

सं० 05000/म०-123/5665—भारी पानी परियोजनाओं के विशेषकार्य-अधिकारी, श्री गुनवानी कल्यानजी मनियार को, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में 5 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
बरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्वटन प्रौद्योगिकी विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिल्ली 15 अक्टूबर, 1977

सं० ई० (1) 01008—वेधालालाओं के महानियेशक, निम्नलिखित व्यविसायिक सहायकों को स्थानापन्न महायक मौसम विज्ञानी के पद पर नीचे दिए गए रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अवधि		जिस कार्यालय में तैनात किये गए हैं
		से	तक	
1.	श्री आर० ए० मस्सेना .	. 3-9-77 से 30-11-77	{	वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
2.	श्री कृष्ण प्रसाद .	. 16-8-77 से 11-11-77	{	वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
3.	श्री ए० ए० ए० थेराजा .	. 16-8-77 से 11-11-77	}	वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
4.	श्री ए० आर० गणेशन .	. 1-9-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
5.	श्री जी० ए० प्रकाशराव .	. 2-9-77 से 10-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
6.	श्री आर० वी० केनकर .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
7.	श्री आर० चौधुरी .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
8.	श्री ए० ए० राव .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
9.	श्री के० नरसिंहरामति .	. 23-8-77 से 31-10-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
10.	श्री ए० वेक्टर मेंटिन .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
11.	श्री दी० सुन्दरेश राव .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
12.	श्री दी० ए० वरदगजन .	. 2-9-77 से 16-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
13.	श्री दी० के० वेक्टरमण .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
14.	श्री पी० ई० चेरियन .	. 2-9-77 से 9-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
15.	श्री आर० दी० मुकुहमण्यम .	. 23-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
16.	श्री पी० वेक्टरशमाराव .	. 25-8-77 से 19-11-77		वेधालालाओं के उपमहानियेशक (उपकरण) नई दिल्ली।

1	2	3	4	5	6
17.	श्री बी० जी० लेले	.	23-8-77 से 19-11-77		
18.	श्री ए० के० चक्रवर्ती	.	9-8-77 से 5-11-77		प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।
19.	श्री के० पी० पचनाभम	.	9-8-77 से 5-11-77		
20.	श्री के० भौमिक	.	23-8-77 से 19-11-77		
21.	श्री ए० के० दत्ता	.	23-8-77 से 17-11-77		
22.	श्री ए० के० बन्धोपाध्याय	.	23-8-77 से 15-11-77		
23.	श्री ए० के० मुकर्जी	.	23-8-77 से 11-11-77		प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कर्नाटक ।
24.	श्री एन० सी० मुकर्जी	.	23-8-77 से 9-11-77		
25.	श्री पी० सी० मुकर्जी	.	7-7-77 से 30-8-77		
26.	श्री एस० सी० मिक्का	.	23-8-77 से 18-11-77	14-9-77 तक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली और उसके बाद वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली ।	

एम० आर० एन० मणिधन
मौसम विज्ञानी,
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 00911—वैधशालाओं के महानिदेशक, श्री बी० मणिधन को 13 निम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी श्रद्धादेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केन्द्रीय निविल सेवा, ग्रुप-बी) में सहायता के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रो मणिधन को नियुक्त, उपकरण, पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (1) 00942—वैधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली श्री वाबू लाल वर्मा को 30 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न सम्मानों श्रद्धादेश तक भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी, (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में सहायता के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री वाबू लाल वर्मा को वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान) पुणे में तैनात किया जाता है।

दिनांक 26 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 05943—वैधशालाओं के महानिदेशक श्री के० पी० हाजरा को जिन्हे हम कार्यालय अधिसूचना सख्ता ई० (1) 01008 दिनांक 14-9-77 के अनुनार 13-9-77 तक स्थानापन्न सहायता के पद पर नियुक्त किया गया था, भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 12-9-77 के पूर्वाह्न से आगामी श्रद्धादेश तक नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

श्रो हाजरा को वैधशालाओं के महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

गुरुग्राम राम गुप्ता,
मौसम विज्ञानी
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 अक्टूबर 1977

सं० ई० (1) 05485—वैधशालाओं के महानिदेशक श्री एम० डी० कुन्द्रा को जो पहले से ही अल्पकालीन आधार पर सहायता के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, भारत मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय निविल सेवा ग्रुप-बी) में 17-9-77 से आगामी श्रद्धादेश तक स्थानापन्न सहायता के पद पर नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कुन्द्रा को वैधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सी० जी० बालमुद्रमणिधन,

मौसम विज्ञानी,

कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

नागर और विमानन मंत्रालय

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

सं० ए० 38015/10/77-ई० एम०—केन्द्रीय रेडियो भड़ार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री पी० एन० तहिलियानी, भड़ार अधिकारी ने नियर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा में निवृत होने पर 31-7-77 अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

एस० एल० खण्डपुर,
सहायता के प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

सं० ए-19013/16/72-ई०—श्री सी० आर० तिष्मलै ने नियर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा

से निवृत्त होने पर 30 सितम्बर, 1977 में नागर विमानन विभाग के उपमहानिदेशक के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेमचन्द्र जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1977

सं० ८० :१०१०/६/७६-८० सी०—इस कार्यस्थल की ६ जुलाई, 1977 और 23/३० जुलाई, 1977 की अधिसूचना सं० ३२०१३/९/७६-८० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सदर्य पदोन्नति की अवधि 31-८-1977 के बाद तीन महीने की अवधि के लिए या इन पदों पर नियमित नियुक्तिया होने तक इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एस० पी० हरदास	वैमानिक सचार स्टेशन, गोहाटी
2.	श्री बी० एन० एम० राव	वैमानिक सचार स्टेशन, हैदराबाद
3.	श्री बी० के० चौधरी	वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई
4.	श्री एस० कुण्णास्वामी	वैमानिक सचार स्टेशन, मद्रास
5.	श्री सुशील कुमार	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
6.	श्री जे० बी० शर्मा	क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई
7.	श्री आर० के० सूद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।

सं० ए० ३८०१५/२६/७७-८० सी०—५-९-१९७७ से १८-१२-१९७७ तक १०५ दिन की अर्जिन छुट्टी पर, १९-१२-१९७७ से ३०-९-१९७८ तक २८६ दिन की अर्पणेतन छुट्टी पर सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाते समय श्री एस० ए० एच० पाशा, सहायक सचार अधिकारी, वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई ने ५-९-१९७७ (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है और छुट्टी समाप्त होने पर वे मूल नियम ५६ के उपबन्धों के अधीन ३०-९-१९७८ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेगे।

दिनांक 18 अक्टूबर 1977

सं० ए० ३८०१२/१/७७-८० सी०—श्री आर० के० वर्मी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रेडियो नियमण और विकास यूनिट, सफ्टवरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर ३१-८-१९७७ (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० ३८०१२/१/७७-८० सी०—श्री बी० के० बाबू, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, वैमानिक सचार स्टेशन, मद्रास को सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के रूप में ११-४-१९७७ से ३१-८-१९७७

तक १४३ दिन की अर्जिन छुट्टी मजूर की गई थी और वे निवर्तन आयु प्राप्त करने के कारण छुट्टी समाप्त होने पर ३१-८-१९७७ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एस० डी० शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

विदेश संचार सेवा

बबर्म्ब, दिनांक 7 अक्टूबर 1977

सं० १/४१२/७७-स्था०—श्री पी० श्रीनिवासलु, तकनीकी सहायक, मद्रास शाखा को २-७-१९७७ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्थ तौर पर सहायक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 अक्टूबर 1977

सं० १/८२/७७-स्था०—श्री डी० एल० संभारीया, पर्यावरण कार्यालय, नई दिल्ली शाखा को ९-८-७७ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक कलरुता शाखा में स्थानापन्थ तौर पर उप परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

समाहर्तानिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

क्रमांक-३५—इस समाहर्ता क्षेत्र के सहायक समाहर्ता (छुट्टी आरक्षित) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर श्री ना० सी० बीक्षित दिनांक ९-१०-१९७७ से ३१-३-१९७८ तक १७४ दिनों की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गए हैं, जिसकी समाप्ति होने पर वे सरकारी सेवा से मुक्त हो जायेगे।

क्रमांक-३६—इस समाहर्ता क्षेत्र के सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर श्री दिग्म्बर प्रसाद माथुर दिनांक १७-१०-७७ से २८-२-१९७८ तक १३५ दिनों की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जा रहे हैं, जिसकी समाप्ति होने पर वे सरकारी सेवा से मुक्त हो जायेगे।

क्रमांक-३७/७७—श्री ओ० पी० अरोरा, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर श्रेणी “ख” ने ५० साल की आयु प्राप्त करने पर मूल नियम ५६ (१) (१) के अनुनार दिनांक २७-४-१९७७ के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिए गए हैं।

क्रमांक ३८/७७—श्री एस० डी० जोशी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” दिनांक ६-१०-१९७७ से २८-२-१९७८ तक १४६ दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गए हैं। उपर्युक्त छुट्टी समाप्त होने पर वे सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेगे।

मनजीत सिंह बिन्दा,
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मन्त्रालय

नव तृतीकोरिन पत्तन

तृतीकोरिन-62800 अक्टूबर 1977

सं० ए-12025(2)/76-प्रशासन—नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर और प्रशासक, श्री ताराहसि संनी को 26 सितम्बर, 1977 को पूर्वाह्न से अगले शादेश होने तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नव तृतीकोरिन पत्तन में प्रगति-एवं-सहायक सुधा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल,

मुख्य इंजीनियर और प्रशासक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1977

सं० क-19012/11/77-प्रशासन-पाच—प्रध्यायक, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित पर्यवेक्षकों/अधिकारी सहायकों को अतिरिक्त सहायक निदेश विभाग की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई और तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप में आगामी आदेश होने तक उनके नाम के सामने वी गई तारीखों में नियुक्त करते हैं। उन अधिकारियों ने उनके नामों के सामने दर्शाये गए कार्यालयों में इन पदों का कार्यभार सम्माला।

क० सं० अधिकारी का नाम	दिनांक	कार्यालय	का नाम
-----------------------	--------	----------	--------

सर्वं श्री

1. सी० वेंकटा राव, पर्यवेक्षक	28-7-77	पूर्वी गोजिंग उप-(पूर्वाह्न)	प्रभाग, केन्द्रीय जल आयोग, भुवनेश्वर।
2. एग० के० राय, नौवरी, अभियाल्प सहायक	11-8-77	(पूर्वाह्न)	केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण
3. आर० आर० मेनन, अभियाल्प सहायक	12-8-77	(पूर्वाह्न)	

जै० के० साहा,
प्रब्रहर सचिव

रेल मन्त्रालय
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डु, दिनांक 18 अक्टूबर 1977

1. ई०/283/148/(ओ)—श्री एम०एम० पटवारी, प्रधानाध्यापक (III श्रेणी) को दिनांक 1-4-77 से II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ प्राध्यापक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. ई०/283/129/पी० III (ओ)—श्री जै०एम०राय चौधुरी, विकास निरीक्षक (III श्रेणी) को यि तक 4-4-77 से II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ सहायक भड़ार नियंत्रक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

3. ई०/283/30/पी० VI (ओ)—श्री आर० के० दास, (II श्रेणी) को, दिनांक 19-4-77 से प्रब्रहर वेतनमान में, प्रब्रहर कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त विद्या जाता है।

4. ई०/283/30/पी० VI (ओ)—श्री एच० एन० सेन गुप्ता म० श्रम कल्याण निरीक्षक (III श्रेणी) को, दिनांक 25-4-77 से (श्रेणी) की सेवा में रथानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

5. ई०/283/30/पी० VI (ओ)—श्री एच० के० मुख्यर्जी (III श्रेणी) को दिनांक 26-4-77 से II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

6. ई०/283/30/पी० VI (ओ)—श्री पी० के० बोस महाप्रबन्धक के गोपनीय सहायक (III श्रेणी) को दिनांक 26-4-77 से II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

7. ई०/283/30/पी० VI (ओ)—श्री एम० आर० घन्दा, प्रब्रहर उप महाप्रबन्धक के निजों भहायक (III श्रेणी) को, दिनांक 26-4-77 से II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

8. ई०/283/III/54/पी० VIII (ओ)—श्री ए० सी० बोस, प्रब्रहर फोरमैन (III श्रेणी) को दिनांक 5-5-77 से II श्रेणी की सेवा में शुद्ध तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ सहायक विद्युत् इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाता है।

9. ई०/283/31/पी० IX (ओ)—श्री आर० पी० भट्ट-चार्जी रेल पथ निरीक्षक (III श्रेणी) को, दिनांक 5-5-77 से II श्रेणी में स्थानापन्थ सहायक इंजीनियर नियुक्त किया जाता है।

10. ई०/283/III/133/पी० IX (ओ)—श्री सी० आर० मुख्यर्जी सी० टी० सी० आई० (III श्रेणी) को दिनांक 13-5-77 से II श्रेणी सेवा में शुद्ध तदर्थं रूप से स्थानापन्थ सहायक सिंगल एवं द्वार संचार इंजीनियर नियुक्त किया जाता है।

11. ई०/283/III/पी० IX (ओ)—श्री सी० आर० सरकार निर्माण निरीक्षक (III श्रेणी) को, दिनांक 8-6-77 से तदर्थं आधार पर II श्रेणी की सेवा में स्थानापन्थ सहायक इंजीनियर नियुक्त किया जाता है।

म० रा० न० मूर्ति,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वदेश एण्ड कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

सं० 9290/2205-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान
पर स्वदेश एण्ड कम्पनी प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नालन्दा हृदूमन लिमिटेड
के विषय में

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977
सं० 9292/4178-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान
पर नालन्दा हृदूमन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त
कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गोरखपुर कार्ड बोर्ड
एण्ड एलाइड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

सं० 9292/3912-एल० सी०—कम्पनीज अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा 3 के अनुसरण में एतद-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के
अवसान पर गोरखपुर कार्ड बोर्ड एण्ड एलाइड इण्डस्ट्रीज

प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न
किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन्
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,
उ० प्र०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धनजी भाई एण्ड
त्रो नम्बलाल एण्ड कंपनी लिमिटेड के विषय में
अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1977

सं० 560/17—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स
धनजी भाई एण्ड त्रो नम्बलाल एण्ड कंपनी लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स एस्ट्रो रबर बर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1977

सं० 560/2283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स
एस्ट्रो रबर बर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो जि इसे काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दा जाएगी।

जे० गो० गाथा,
प्रमहल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद।

प्रस्तुति प्राइंट दी० एन० पृ० 12

(1) श्री एम० गोविन्द रामि नायकर और शादि)।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 अक्टूबर, 1977

निदेश स० 20/एम०ए०शा०र०/77:—पता, मुझे, जी० रामानाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उष्टुत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने वा कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी स० 635/1, 633/5 अ 6 है, जो शालूर गाव सेनम
जिला में स्थित है (श्री० इंग्से उमावद्वे और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता शाधियारी के कार्यालय, शालूर (पता स० 198/
77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1-3-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने वा कारण
है कि यथापुरुष सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दशमान
प्रतिफल से रेसे दशमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वार्तादिक रूप से विस्तृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
फर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

सेनम जिला, शालूर गाव एग० स० 635/1 (2 88 एड०),
633/5 (1. 19 एड०) और 633/6 (1 33 एड०) में 5. 40
एकड़ खेतों की भूमि (श्री० शादि)।

जी० रामानाथन,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
शर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख : 22-10-1977।
मोहर :

अक्ष: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक, 19 शक्तवर, 1977

निदेश न० 283-ए०/ अर्जन /मेरठ/77-78 :—अतः
मुझे आर के० भार्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० 460 है तथा जो मेरठ मेरित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारों के कार्यालय मेरठ मेरठ, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-77

को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिगने मे सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रर्यात्:—

(1) श्री मो० हमीद पुत्र गवाउड़ी। स्वयं और मुलार
किम मो० ममूद के निं० लाल कुर्ती मेरठ केन्ट और
मुहम्मद पुत्र मो० हमीद लाल कुर्ती मेरठ।
(अन्तरक)

(2) श्री नश्युग मद्दारी ग्राम निम्न समिति रजिस्टर्ड
नं० 2459 द्वारा जो नम शर्मा पुत्र नाराचन्द शर्मा अध्यक्ष
ब्रह्मपुरी मेरठ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाल के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख मे 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मे हितवद्ध
किसी अन्य व्याकृत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा यकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मे किया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 13 फिल्ड 1 विनांगी 4 कववाशी
खमरा न० 105538 और 5540 स्थित प्रभाज नगर खेत के पीछे
मेरठ 5831 के विज्य रेल मे बेचो गई।

आर० पी० भार्या,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर ग्राम्यकर, निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख: 19-10-77

मोहर:

प्रलेप आई०टी०एन एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद तारीख 25 अक्टूबर, 1977

स० आर० ए० सी० 124/77-78.—यथा— मुझे,
(के० एस० वेंकट रामन)
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और

जिसकी स० कार्यालय न० 336 ए० रास्ता मिकन्द्राबाद में
स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्द्राबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
24-3-1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रमाणि।

3—326GI/77

(1) स्वास्थीक कन्मद्रक्षण कम्पनी 111-मरोजनी
देवी रास्ता मिकन्द्राबाद।
(अन्तरक)

(2) एम श्रीनिवास धारी घर नं० 17-6-211
डब्बी पुरा के बाहार हैदराबाद।
(अन्तरिती)

(3) डेक्टर येटामीक मीनराल डेवलपमेन्ट
डीवीजन येटामीक मेनर कार्यालय 111- मेस० डी०
रास्ता मिकन्द्राबाद

(वह अवित्त जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्त होता या प्रयोगस्थानी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाराय 20क में परिभाषित है, वही
पर्याप्त होगा जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 336 धेन्द्रालोक बीलडीस तीमरा मंजील 111-
मरोजनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज
न० 391/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० ए० स० वेंकट रामन,
मक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेज हैदराबाद

दिनांक : 25-10-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० पृस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन] सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

स० आर० ए० दमी० ने 125/77-78.—यतः मुझे
(क० एस० वेकट रामन)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० ओफीस में 331 और 332 है, जो एस डी० रास्ता सिकन्दराबाद स्थित हैं) और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता शिक्षिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में जैव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् :—

(1) स्वास्तीक कनसट्कशन कम्पनी 111-मरोजनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद में।

(अन्तरक)

(2) एम बहादुरारी घर नं० 17-6 211 ड्वीरपुरा के बाहर हैदराबाद। (अन्तरिती)

(3) डेरेक्टर येटामीक मीनरलस डेवलपमेंट डिवजन येटामीक क० देनरजी कार्यालय सिकन्दराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 331 और 332 (50%) तीसरा मंजिल धैनद्रालोक भवन 111-मरोजनी देवी गाम्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गयी है दस्तावेज नं० 392/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

क० एस० वेकट रामन),

सक्षम प्राधिकारी,

(महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 25-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज चंडीगढ़
मोनीपत्र रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर, 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/25/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 66, सैकटर 11-ए० चंडीगढ़ है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जीत सिंह पनु पुत्र श्री गजिन्द्र सिंह, हवेली मुगला, बस्सी पठाना (पटियाला) मार्फत मुख्यार्थी आम श्री अवतार सिंह सेखो। (अन्तरक)

(2) भाई मतिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री भाई श्री राम सिंह, ग्राम झुम्बा, तहसील व जिला भटिङ्डा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण विवरण नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायकर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 66, मैक्टर 11-ए० चंडीगढ़ (रकवा 500 वर्गगज)

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के रजिस्टर क्रमांक नं० 132 के माम 1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 25-10-77

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

निदेश स० सी० एच० ई०/31/77-78--अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीरमिजकी स० 1105 सैकटर 18-सी० चडीगढ़ है तथा जो चडीगढ़
में स्थित है (श्रीरमिजकी उपावड़ अनुसूची में श्रीरमिजकी पूर्ण से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है श्रीरमिजकी (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन बार देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; श्रीरमिजकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन लाल सचदेवा पुत्र श्री गुरा दित्ता मकान न०
2127, सैकटर 21 चडीगढ़। (अन्तरक)

2 (i) श्री मी० डी० आहुजा पुत्र श्री भगवान शास
आहुजा।
(ii) श्रीमति श्रिज आहुजा पत्नी श्री सी० डी० आहुजा
मकान न० 96 बी० सैकटर 30 बी० चडीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरमिजकी का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निवासीय मकान न० 1105, जो कि प्लाट न० 73-पी
सैकटर 18-सी पर बना है और जिसका रकबा 189-79 वर्ग गज
है। एक मजली इमारत है और पहली मजलि पर एक कमरा
बना है।

(मंपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चडीगढ़ के कार्यालय
के रजिस्टर के अनुसार न० 7 मास अप्रैल, 1977 में लिखी है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

दिनांक : 25-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

निदेश स० बी० सी० आर० (टी० एल० आई०)/21/76-77

श्रृंत., मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है
और जिसकी स० रिहायशी पलाट 1901/75 वर्ग गज है तथा जो
टी० एल० एफ० माझल टाउन, सैक्टर 11, फरीदाबाद में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित भवी
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अन्तियों
को जिन्हे भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड निमिटिड ५०-१ प
कनाट पलेम, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० पलाई कास्ट देहली प्राइवेट लि० बी०-११,
प्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रपुसूची

तीन पलाट जिनका एकवा 131-75 वर्ग गज, 1307
वर्ग गज तथा 463 वर्ग गज है (कुल एकवा 1901-75 वर्ग गज)
और जोकि डी० एल० एफ० माझल टाउन, सैक्टर 11, फरीदाबाद
में स्थित है ।

(मम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, देहली के कार्या-
लय में क्रमांक 142 के मास मार्च 1977 में लिखा है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख . 25-10-77
भोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्टूबर 1977

निदेश स० पी० आर० 519/ए० सी० क्य०-23-948/198/77-78—अतः, मुझे, एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० वार्ड न० 9 नोंध न० 347, पैकी है तथा जो चकावाला नी शेरी, बाड़ी फालिया, सूरत में स्थित है (अतः इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-1977 को पूर्वोक्त सपत्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्नि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री भीममा नानूभाई उर्फ कृष्णलाल ठाकोर भव्य तथा एस० य० एफ० की ओर से तथा देवी भीममा ठाकोर और बंसर्तिका बेन बीरेन्द्र ठाकोर के कुल मुखतार की हैमियत में तथा भगीर निमीश भीममा ठाकोर और केशुर भीममा ठाकोर के बाली की हैमियत में पुष्पक एपार्टमेंट, 31, अल्टा माउट रोड, बम्बई।
(अन्तरक)

(2) श्री धनमुख लाल मानिक लाल जरीवाला, बाड़ी फालिया, खाड़ बाल नी शेरी, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्नि के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड न० 9, नोंध न० 347 पैकी चकावाला नी शेरी, बाड़ी फालिया, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 359 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 21 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख . 5-10-1977

मोहर .

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

धारवाड-760004, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० 194/77-78/अर्जन—यत्, मुझे, डि० मि० राजगोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० न० 466 है, तथा जो हुमना बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमती में और पुर्ण स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हुमनाबाद अड्डा (डाकुमेट न० 1550) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् ।

1. (1) श्री मंत्र्या सुपुत्र गन्धोटया महपति, (2) श्री मद्रण बस्वमया, (3) श्री विजयकुमार सुपुत्र बस्वमया, (4) श्री मिह्या सुपुत्र बस्वमया और (5) श्रीमति समिकला पत्नी मल्लया मनाबाद।
(अन्तरक)

2. मैमर्स पटेल सा मिल्स, श्री रामजीबाई विश्वम पटेल, हुमनाबाद।
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए गये व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुमती

खुला मैदान का सर्वोनं० 466 हुमनाबाद के यहां है। विस्तार 4650 वर्ग मीटर है।

डि० मि० राजगोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 22 अक्टूबर, 1977।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/46/77-78--यतः, मुझे,
एच० सी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिमकी स० एलाट नं० 51-ए०, है तथा जो गोकुल पेठ, नागपुर
मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर मे रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-2-77
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व मे कमी
करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

धरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनु-
सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, धर्षतः:—

(1) मैमर्स गजानन कंस्ट्रक्शन कंपनी गोकुल पेठ, नागपुर।
(अन्तरक)

(2) डा० रमेश भाऊराव बकाने, C/o फेनेसेस कानली
जनरल हॉमपीटल R/o जैम्स टाउन, टीन-38566
यू० एस० ए०।
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी व्याप्रे —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितधद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया
है।

अनुसूची

नागपुर सुधार प्रव्यास फ्लैट नं० 51-A मिविल स्टेशन
एक्सट्रेन स्टेशन स्कीम, गोकुल पेठ, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 10-10-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1977

निर्देश मं० आर० ए० सी०/अर्जेन/47/77-78--यतः;
मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी स० 5 85 एकड़ जमीन खसरा नं० 102 है तथा जो
मौजा धावा त० व जि० नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 3-2-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आमकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाया (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-326GI/77

(1) श्री नन्दु जी० शेदामे, धावा० त० जि० नागपुर, (2)
श्री रामभाऊ नन्दुजी शेदामे, धावा० त० जि० नागपुर,
(3) श्रीमती तुलसादाई मोतीराम भागरे धुर्खेड़,
त० कटोल जि० नागपुर, (4) श्रीमती गगाबाई
वासुदेव चिक्कनकर, धावा० त० व जि० नागपुर, (5)
श्रीमती नीलादाई रामाजी भोरे, उनाडी त० सावनेग
जि० नागपुर, (6) श्रीमती बनादाई एम० राव
नागपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. प्रकाश इस्टीट्यूट आफ इंडिया, चदन बाजार
द्रस्टी देवीदाम रामकृष्ण बौरकर वाडी त० व जि०
नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5.85 एकड़ जमीन खसरा नं० 102 मौजा धावा त० व
जि० नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज, नागपुर

तारीख : 10-10-1977

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

(1) श्री ओम प्रकाश तनेजा, मुपुव श्री भोला गम तनेजा,
निवासी 4/37, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, दिल्ली-1
4/14क, आमफ्राली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1283/77-78/—
अत. मुझे, ए० एल० सूद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसेहमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० एफ०-9 है तथा जो वाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(2) श्री चमन नाल, मुपुव श्री भगवान दाम, निवासी 7/10, गमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना इं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में में किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० एफ०-9 है, बाली नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	प्लाट न० एफ०-10
पश्चिम	प्लाट न० एफ०-8
उत्तर	रोड 30'
दक्षिण	लेन 15'

ए० एल० सूद,
सभी अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 14-10-77
मोहर .

प्रह्ल प्राई० टी० एन० एस०—————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेज II, दिल्ली-1
4/14क, आमनश्वनी मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० प्राई० ए० भी०/एन्यु०/11/1282/77-78/—
अतः, मुझे, ए० एल० सूद,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० बी०-6/15, है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बोहर सिंह, सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, निवासी ए०-४,
जगतपुरी, दिल्ली-५।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दयमन्ती देवी, पत्नी श्री हरी राम, निवासी-
२६५, कूचा मन्योगीराम, जनया बास, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक ढाई मजिला मकान जोकि 71 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट
पर बना हुआ है, जिसका न० बी०-6/15 है : कृष्ण नगर, मौजा
गोडली, इलाका शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : बिल्डिंग न० बी०-6/14

पश्चिम . जायदाद न० बी०-6/15 का अन्य हिस्सा

उत्तर . जायदाद न० बी०-6/15 का अन्य हिस्सा तथा
दिवार

दक्षिण : रोड

ए० एल० सूद,
मक्षम अधिकारी,

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख . 25 अक्टूबर, 1977।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1281/77-78:—
अतः मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं० एच०-4/6 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आदितयों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के पन्द्र०
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री जय मल मिह, सुपुत्र श्री नन्द सिंह (2) श्रीमती
अवतार कौर, पत्नी श्री जय मल मिह, निवासी
293, माकेंग रोड, तालत उद्यान, थाईलैंड
जनरल अटारनी श्री इन्द्र जीत सिंह के द्वारा,
सी०-211, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. श्री हरीश चन्द्र तथा रामेश चन्द्र, सुपुत्र श्री मगल सैन
टाप्डन, निवासी बी०-9, गुजरांवाला टाउन, पार्ट-1
दिल्ली-31।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लाप्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका न० 6, ब्लॉक न० एच-4 है,
और क्षेत्रफल 320 वर्ग गज है, माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है:—

पूर्व :	रोड
पश्चिम :	रोड
उत्तर :	प्लाट न० एच०४/७
दक्षिण :	प्लाट न० एच०-४/५

ए० एल० सूद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1,
तारीख : 25 अक्टूबर, 1977

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एम०----

(1) श्री ग्रात्मा मिह पुत्र श्री वजीर मिह कलेर हस्पनाल रोड, कोट कपूरा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निर्देश स० —यत्, मुझे, पी० एन०

मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैमा कि अनुगृहीत में लिखा है तथा जो कोट-कपूरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगृहीत में और पूर्ण स्व से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिका०ी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री देम राज दाना मंडी कोट कपूरा (अन्तरक)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखना है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि भावित है, वही प्रर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसच्ची

250 गज की जायदाद में 1/6 हिस्मा कोट कपूरा में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 3426 मार्च 77 में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
नक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख . 19 अक्टूबर 1977

मोहर :

प्रस्तुप्राईंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निदेश भ० ए० पी० 49/77-78—पत्र. भ० पी० ए० पत्र०
मनिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व
के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिपकी गा० जैरा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा० कोट
कपूरा में स्थित है (गौर इनपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा०प्राधिकारी के कार्यालय फरीदकोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त रामपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की जपाना (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अजैव मिह पुत्र वजीर मिह कलेर हस्ताल रोड,
कोट कपूरा।

(प्रन्तरक)

(2) श्री कमल जीदल पुत्र ओम प्रकाश दाना मंडी,
कोट कपूरा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
मम्पति है)।

(4) जो व्यक्ति मम्पति में सूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिनिंग हस्ताल रोड कोट कपूरा में जैसा कि रजिस्ट्री
नं० 3425 तारीख 31-3-77 में लिखा है।

पी० एन० मनिक,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा।

तारीख : 19 अक्टूबर, 1977

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निदेश सं० ए० पी० 52/77-78--प्रत, मुझे, पी० ए० ए०
मनिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बटाला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायनिय बटाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरितो (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, अविनयों, अर्थात् —

(1) श्री गेर भिह पुत्र बुधा गिह गाव मुन्या, तहसील बटाला,
(अन्तर्गत)

(2) श्री गुरुनीत भिह पुत्र हर्वल गिह द्वारा गाजार हिन्द
पालउद्दरी जी० टी० रोड, बटाला।
(अन्तर्गती)

(3) जैमा कि न० 2 में है।
(वह बांका, जिसके प्रधिमोग में
ममता है)।

(4) जो बांका ममता में रुचि रखता है। (वह बांका, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है फि वह ममता
में हितवद है)।

को यह मूनता जारी करके पूर्वान्त ममता के अर्जन के लिए
कार्यवादिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 मर्ले जमीन पर प्रलीवाल रोड बटाला में 5 दुकाने जैसा
कि रजिस्ट्री न० 6510 तारीख मार्च, 1977 में लिखा है।

पी० ए० ए० मनिक,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रीजन रेज, भट्टडा।

तारीख 19 अक्टूबर, 1977।
मोहर।

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन गृहना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 19 अक्टूबर 1977

निरेश मं०

—पत्र मुझे पी० एन०

मनिक,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैमा कि अनुमूल्य में निखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीट्कोट से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति तो को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधु मिह पुत्र बजीर मिह कलेर हस्पताल रोड, कोटकपूरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दर्पना देवी पत्नी ओम प्रकाश द्वारा हम गज जगदीण गां कमीशन, एंजन्ट पुगनी मडी नजदीक गुरद्वारा कोट कपूरा।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जा व्यक्ति सम्पत्ति गे रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

दृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

250 गज जायदाद जो कि कोट कपूरा में है उसका 1/6 हिस्सा जैमा कि रजिस्ट्री न० 3427 मार्च 1977 में निखा है।

पी० एन० मनिक,

सक्षम प्राधिकारी

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

तारीख . 19 अक्टूबर 1977

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA
New Delhi, the 15th October 1977

No F.6/77-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R Narasimhan Deputy Registrar to officiate as Registrar with effect from the forenoon of 24 October, 1977 to 22 December, 1977 vice Shri S. K. Gupta, Registrar granted leave, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to promote and appoint Shri B. S. Dhawan, Assistant Registrar to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of 24 October, 1977 to 22 December, 1977 vice Shri R Narasimhan Deputy Registrar, promoted as Officiating Registrar, until further orders.

M. F. SAXENA
Registrar (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th October 1977

No 2/49/75-Admn—Shri A. K. Sanyal, Section Officer, who was appointed as Private Secretary to Central Vigilance Commissioner vide Notification No 2/49/75-Admn, dated 19-12-1975, reverted as Section Officer with effect from the forenoon of 26th September, 1977.

SHRI NIVAS
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPTT OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, 26th October 1977

No A-19015/1/76-Ad V—Shri O. B. Saran Section Officer, on transfer from Department of Justice, has taken charge as Section Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi, with effect from the forenoon of 14-9-77 until further orders.

BHUDEV PAL
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 19th October 1977

No. O II-896/73-Estt—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr (Mrs) Narasimha Devi Teegala, JMO, Base Hospital 2 CRPF Hyderabad with effect from the afternoon of 31-8-1977.

No O II-1038/75-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Usha Jain, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis w.e.f 3-10-1977 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 24th October, 1977

No. P. VII-6/76-Estt—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis, the following Dy. SSP (Coy Comdr/Quarter Master) as Assistant Commandant in the CRPF until further orders.

2. Their posting and the dates of handing/taking over charge are indicated against each :—

Sl. No.	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
					1
1.	Shri M. S. Gill	Dy. S. P. 29th Bn CRPF.	15-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 42nd Bn. CRPF.	27-7-77 (F.N.)
2	Shri M. S. Sethi	Dy. S. P. 45th Bn. CRPF.	7-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt 45th Bn. CRPF.	7-7-77 (F.N.)
3.	Shri J. N. Chatrapatra	Dy. S.P. 30th Bn. CRPF	20-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt 2th Bn. CRPF	23-7-77 (F.N.)
4.	Shri M. M. Baig	Dy. S. P. I/C MT Inspection Team, CRPF Hyderabad	16-8-77 (F.N.)	Asstt. Comdt 15th Bn. CRPF.	25-8-77 (F.N.)
5.	Shri S. Varma	Dy. S.P. 5th Bn. CRPF.	14-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 30th Bn. CRPF	21-7-77 (F.N.)
6.	Shri N. S. Irom	Dy. S. P. GC, CRPF, Bhubaneswar	15-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt 52Bn. CRPF.	15-7-77 (F.N.)
7.	Shri Surender Nath	Dy. S. P. GC, CRPF, Neemuch	18-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 10th Bn. CRPF.	24-7-77 (F.N.)
8.	Shri U. B. S. Teotia	Dy. S. P. 3rd Sig Bn CRPF Rampur	18-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 38th Bn. CRPF.	29-7-77 (F.N.)
9.	Shri C. R. Koka	Dy. S. P. 22nd Bn. CRPF.	20-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt GC, CRPF, Bhubaneswar	30-7-77 (F.N.)
10.	Shri Ramesh Chandra	Dy. S. P. GC, CRPF, Rampur	13-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 25th Bn. CRPF.	18-7-77 (F.N.)
11.	Shri B. K. Vohra	Dy. S. P. 2nd Bn. CRPF.	18-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt. 16th Bn. CRPF.	18-7-77 (F.N.)

1	2	3	4	5	6
12.	Shri D. J. S. Dhillon	Dy. S. P. 22nd Bn, CRPF.	6-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 22nd Bn. CRPF.	7-7-77 (F.N.)
13.	Shri Richpal Singh	Dy. S. P. Dte. Genl. CRPF, New Delhi.	15-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt 50th Bn, CRPF.	15-7-77 (F.N.)
14.	Shri N. S. Bihani	Dy. S. P. 32nd Bn, CRPF.	26-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 24th Bn, CRPF.	30-7-77 (A.N.)
15.	Shri P. S. Sandhu	Dy. S. P. Ist Sig Bn, CRPF.	6-7-77 (F.N.)	Asstt. Comdt Ist Sig Bn, CRPF.	6-7-77 (F.N.)
16.	Shri N. S. Shekhawat	Dy. S. P. 51st Bn, CRPF.	9-8-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 44th Bn., CRPF.	16-8-77 (F.N.)
17.	Shri C. C. Poonacha	Dy. S. P. 8th Bn., CRPF.	8-9-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 10th Bn., CRPF.	10-9-77 (F.N.)
18.	Shri K. S. V. Subramanian	Dy. S. P. 3rd Sig Bn, CRPF.	12-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 6th Bn , CRPF.	13-7-77 (F.N.)
19.	Shri F. Savariappa	Dy. S. P. GC, CRPF, Avadi.	19-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 28th Bn., CRPF.	20-7-77 (A.N.)
20.	Shri J. S. Virk	Dy. S. P. CTC-I, CRPF, Neemuch	25-7-77 (A.N.)	Asstt. Comdt 27th Bn., CRPF.	31-7-77 (F.N.)

The 25th October, 1977

No. P. VII-4/76-Estt-VI.—The President is pleased to appoint on promotion the following Subedars of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. They took over charge of the post in the Battalion on the dates indicated against their names:—

S. No.	Name of the officer	Unit to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri M. M. Khan	32nd Bn.	27-9-77 (FN)
2.	Shri J. Nagabhushanam	19th Bn.	1-10-77 (FN)

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 18th 977

No. E-32015(1)/2/77-Pers.—The President is pleased to appoint Shri M. Venugopal as Commandant CISF Unit ISRO Thumba, on re-employment, with effect from the forenoon of 1st September 1977 until further orders Vice Shri W. J. Dawson, who, on transfer to Sriharikota Range, relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(2)/4/77-Pers.—On transfer from Thumba Shri W. J. Dawson assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit SHAR Centre, Sriharikota Range with effect from the forenoon of 12th September 1977.

No. E-38013(3)/10/77-Pers.—On transfer from Durgapur Shri Nilmani relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit FCI Durgapur with effect from forenoon of 29th July 1977.

On transfer to Durgapur Shri R. K. Mukherjee assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit FCI Durgapur with effect from the forenoon of 29th July 1977.

I. S. BISHT
Inspector General/CISF

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd October 1977

No. 7 FC2(20)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri R. K. Juneja, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 700—1300, on the usual deputation terms, with effect from the afternoon of the 30th Sept. 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAL
Under Secy.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE WORKS & MISC
New Delhi, the 26th October 1977

No. ADMN.I/2(I)v/3041.—The A.G.C.W.&M. New Delhi has been pleased to promote the following section Officers (Audit and Accounts) as temporary Accounts officers on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 with effect from the dates indicated against each :

Name	Date from which promoted
(1) Shri S. R. Nangia	6-10-77 (FN)
(2) Shri D. P. Mathur	6-10-77 (AN)

S. S. MANN
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bombay-400020, the 12th October 1977

No Admn.I/Genl/IAD 31-Vol-III/15.—The Accountant General Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint the following members of the S.A.S to officiate as Accounts Officers in this Office with effect from the dates mentioned against each of them until further orders

- (1) Shri Joseph Abraham—29th September, 1977 (F.N.).
- (2) Shri G N Melmani.—28th September, 1977 (A.N.).

Smt R. KRISHNAN KUTTY
Sr Dy Accountant General/(Admn.)

New Delhi-110001, the 18th October 1977

No Admn 17-14/72—Shri Shri Bhagwan Pathak, Section Officer (Audit) a permanent member of subordinate Railway Audit Services is appointed to officiate as Audit Officer at Construction, Midhopur w.e.f 1-10-77 F.N. until further orders

R. JOSHI
Chief Auditor (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 22nd October 1977

No 40011(2)/77-AN-A—(1) The following is added as para 3 to this department notification bearing No 40011(2)/77/AN-A dated 13-9-1977 —

“(a) Shri R. M. I. Goel, Permanent Accounts Officer has been granted 111 days earned leave from 12-9-77 to 31-12-77 pending retirement.

(b) Shri R. Sowrirajan, Permanent Accounts Officer has been granted 105 days earned leave from 18-9-1977 to 31-12-77 pending retirement.”

(2) The following is added as para 7 to this department notification bearing No 40011(2)/77/AN-A dated 22-7-1977.

“(a) Shri Harbhajan Singh, Permanent Accounts Officer has been granted 122 days earned leave from 1-8-77 to 30-11-1977 pending retirement.

(b) Shri K. J. Narasimha Rao, Permanent Accounts Officer has been granted 90 days earned leave from 2-9-77 to 30-11-1977 pending retirement.

(c) Shri G. C. Tandon, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 133 days from 21-7-77 to 30-11-1977 pending retirement.”

(3) The following is added as para 5 to this department notification bearing No 40011(2)/77/AN-A dated 9-6-77.—

“(a) Shri M. G. Godbole, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 123 days from 1-7-77 to 31-10-1977 pending retirement.

(b) Shri R. P. Berry, Permanent Accounts Officer has been granted leave pending retirement for 94 days from 18-4-77 to 20-7-1977

(c) Shri S. Gopalan, Officiating Accounts Officer has been granted 92 days earned leave from 1-6-77 to 31-8-77 pending retirement.

(d) Shri N. V. Pandit, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 123 days from 1-7-77 to 31-10-77 pending retirement.”

(4) The following is added as para 5 to this department notification bearing No 40011(2)/77/AN-A dated 19-4-1977.

“(a) Shri J. L. Puri, Permanent Accounts Officer has been granted leave pending retirement for 46 days from 16-8-77 to 30-9-77

(b) Shri O. P. Chopra, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 95 days from 28-6-77 to 30-9-77 pending retirement

(c) Shri M. K. Tembhurnikar, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 19 days from 12-9-77 to 30-9-1977 pending retirement

(d) Shri P. M. Mammen, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 4 days from 18-7-77 to 21-7-77 and half pay leave for 10 days from 22-7-77 to 31-7-77 pending retirement.

(e) Shri S. V. Sabne, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 14 days from 18-8-1977 to 31-8-1977 pending retirement.

(f) Shri R. S. Dosaj, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave from 16-5-77 to 31-8-1977 pending retirement”.

5 The following is added as para 6 to this department notification bearing No. 40011(2)/77-AN-A dated 19-4-77.—

“Against Sl. No 17 relating to Shri S. L. Dhawan, the following amendment is made under heading “Grade”—

For—Officiating Accounts Officer.

Read—Permanent Accounts Officer”.

6 The following is added as para 8 to this department notification on bearing No. 40011(2)/76-AN-A dated 21-3-77.—

“(a) Shri A. K. Ganguly, Officiating Accounts Officer has been granted 30 days earned leave from 2-7-77 to 31-7-77 pending retirement.

(b) Shri A. C. Kapur, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 17 days from 15-7-77 to 31-7-77 pending retirement

(c) Shri R. K. Iyengar, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 7 days from 25-7-77 to 31-7-77 pending retirement”.

R. VENKATARATNAM
Dy Controller General of Defence
Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 26th September 1977

No. 53/77/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. General Manager (SG) Level-II, w.e.f. the date shown against them, until further orders —

(i) Shri J. B. Saxena, Offg. General Manager Gr-I,
—13th June, 1977.

(ii) Shri S. P. Sinha, Offg. General Manager Gr.-I,
—13th June, 1977.

No. 54/77—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. General Manager Gr-I, Director (in the grade of ADGOF/Gr-I) w.e.f. the date shown against them, until further orders —

(i) Shri J. W. Kawathekar, Pt General Manager Gr-II,
—21 June, 1977.

(ii) Shri D. R. Lyer, Dy Director Pt. ADGOF, Gr-II,
—21 June, 1977.

No. 55/77/G—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. ADGOF, Gr-II/Dy. General Manager w.e.f. the date shown against them, until further orders —

(i) Shri Natarajan, Pt Manager—11th March, 1977.

(ii) Shri G. S. Naidu, Pt Manager—21st June, 1977.

(iii) Shri V. S. Iyer, Pt Manager—21st June, 1977

(iv) Shri V. N. S. Mathur, Pt Sr DADG—21st June, 1977

(v) Shri D. S. P. Srivastava, Pt Manager—21st June, 1977

No. 56/77/G—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager with effect from the date shown against them, until further orders.—

- (i) Shri O. P. Gurwara, Pt Dy Manager—11th March, 1977
- (ii) Shri N. L. S. Murthy, Pt Dy Manager—11th March, 1977
- (iii) Shri R. Govindarajan, Pt Dy. Manager—11th March, 1977.

No. 57/77/G—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Dy. Manager with effect from the date shown against them, until further orders.—

- (i) Shri G V Shivakumar, AM (On Prob)—19th March, 1977
- (ii) Shri M. S. Jayaprakash, AM (On Prob)—19th March, 1977
- (iii) Shri G K Ranade, Offg AM.—19th March, 1977
- (iv) Shri B. V. Sharma, AM (On Prob)—19th March, 1977.
- (v) Shri P. Sahoo, AM (On Prob)—19th March, 1977
- (vi) Shri Baldeo Krishna, Offg AM.—19th March, 1977.
- (vii) Shri Govinda Ram, Offg AM.—19th March, 1977

No. 58/77/G—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. AM SO, G-II with effect from the date shown against them, until further orders.—

- (i) Shri M ROCQUE, Offg Foreman—19th April, 1977.
- (ii) Shri K. S. VISWANAJHAN, Pt Foreman—22nd June, 1977.
- (iii) Shri H. P. DUTTA, Pt Foreman—25th April, 1977.
- (iv) Shri P C MITRA, Offg Foreman—19th April, 1977.
- (v) Shri R. P. AGARWAL, Offg Store-Holder—19th April, 1977
- (vi) Shri TULURAM SHARMA, Offg Store-Holder—19th April, 1977.
- (vii) Shri G. L. MAJUMDAR, Offg Foreman—14th May, 1977
- (viii) Shri L. JONES, Offg Store-Holder—20th June, 1977
- (ix) Shri G. N. RAHALKAR, Offg Store-Holder—10th May, 1977.

The 4th October 1977

No. 63/G/77—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. Manager with effect from the date shown against him, until further orders.—

Shri C S Ranpase, Permt. DM—11th March, 1977

No. 64/G/77—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders.—

- (1) Shri T Chandrasekharan, Offg Store-Holder—10th May, 1977
- (2) Shri S. Ramachandran, Permt. Store-Holder—18th May, 1977.

The 14th October 1977

No. 67/77/G—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri D. A. Pardasani, Offg. Dy. Manager (Subst. and permt. Assistant Manager) with effect from 7th July, 1977 (AN).

No. 68/77/G—The President is pleased to appoint Shri V. P. S. Sorayan as temporary Deputy Manager for a period of 11 months with effect from 15th February, 1977

No. 69/77/G—The President is pleased to re-employ Shri B. B. Chatterjee, Ex-Offg. Si. DADGOF as temporary Deputy Manager for a period of 11 months with effect from 7th February, 1977.

No. 70/77/G—The President is pleased to appoint Shri K. L. Jayaswal, Offg. Foreman as temporary Assistant Manager for a period of 11 months with effect from 4th April, 1977

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the November 1977

No. 23/3/77-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by four points to reach 331 (three hundred and thirty one) during the month of September, 1977. Converted to base: 1949=100 the index for the month of September, 1977 works out to 402 (four hundred and two)

A. S. BHARADWAJ
Joint Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th October 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/713/63-Admn(G)/7523.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohli permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade-I of that service for further period from 1-8-1977 to 31-8-1977.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. A. Kohli as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period

No. 6/713/63-Admn(G)/7533.—On attaining the age of superannuation Shri N. A. Kohli, a permanent officer of Section Officer's grade of CSS and an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports relinquished the charge of the post in this office on the afternoon of the 31st August, 1977.

K. V. SESADRI
Chief Controller of Imports & Exports.

New Delhi, the 24th October 1977

No. 6 1169/77-Admn(G)/7488.—The Chief Controller of Imports & Exports, hereby appoints Shri B. S. Manral Assistant Director, The Ajoy Cooperative Housing Society Ltd., Bombay, as Controller of Imports and Exports, Class II in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, in an Officiating capacity with effect from the forenoon of 20th January, 1977, until further orders.

2. As Controller of Imports & Exports, Shri Manral will draw his pay according to rules in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200

A. T. MUKHERJEE
Jt. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

Subject : Cancellation of Customs Copy of Import Licence No P/S/1823308/C/XX/58/M/41-42 dt. 16-2-76 issued for Rs. 5,302/-

M/s Modern Offset Printers, 431, Velayutham Road, Sivakasi were issued import licence No P/S/1823308/C/XX/58/M/41-42 dated 16-2-76 for Rs. 5,302/- for AM-76 period for import of (1) Lithographite zinc Sheets (2) Rubber Blankets and (3) Process Film in Rolls and cut sizes and photographic printing paper excluding Black and White as per AM-76 policy.

The firm have applied for issue of duplicate copy of the Customs Purpose Copy of the licence on the ground that the Original Customs Purpose Copy of the Licence has been lost/misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised at all. An affidavit has also been filed in support of their contention.

Having been satisfied that the Customs Purpose Copy of the Original Licence No. P/S/1823308/C/XX/58/M/4142 date 16-2-76 has been lost/misplaced, it has been decided to issue duplicate of the same to the firm for the entire value of Rs 5,302/-.

The Original Customs Purpose Copy of the Licence in question is hereby cancelled

(Issued from File No. Ptg./181/AM-76/SSI-2)

S. NARASIMHAN
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

DEPARTMENT OF TEXTILES
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS
New Delhi, the 22nd October 1977

No A 12011/5.77-DCH.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 29th August, 1977 and until further orders Shri Rajendra Kumar as Deputy Director (Dyeing) in the Weavers Service Centre, Varanasi

(Km) R. SAHNI
Dy. Development Commissioner for Handlooms.

DPPTT OF SUPPLY
DTE GENERAL OF SUPPLY AND DISPOSALS
(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 19th October 1977

No A6/247(412)/63—Shri R. B. Das permanent Asstt Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle of DGS&D retired from Govt. service on the afternoon of 30th September, 1977 on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH
D. D. (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 19th October 1977

No 4(43)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt Sharada S. Bhave as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 28th September, 1977 and until further orders

The 24th October 1977

No 5(10)/68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. Venkata Ramana as a Programme Executive, All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from 22nd September, 1977 and until further orders

No 4(64)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Javeed Akhtar as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 4th October, 1977 and until further orders.

No 4(66)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr Jagdish Narayan Bholaram Sharma as Programme Executive, All India Radio, Gwalior in a temporary capacity with effect from 5th October, 1977 and until further orders

N. K. BHARDWAI
Deputy Director of Administration,
for Director General

MJINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND
VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 18th October 1977

No A 12025/1/77-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Koshal Kumar Verma as Senior Artist in this Directorate in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977, until further orders

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th September 1977

No A 24012.23/77-CHS-HL-PH(IH).—Consequent on his transfer, Dr. M. M. Chakraborty, an officer of G.D.O. Gr. I of the CHS relinquished charge of the post of Dy. Port Health Officer in the Port Health Organisation, Calcutta on the afternoon of the 3rd Aug '77 and assumed the charge of the post of Airport Health Organisation, Dum Dum, on the afternoon of the 4th Aug '77.

O. P. BALI
Dy. Director Admn (CGHS)

New Delhi, the 27th September 1977

No A 12026.4.77-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. M. Shikdar, Section Officer of the Chief Auditor, N. F. Railways, Maligaon, Gauhati—II as Accounts Officer in the Medical Stores Depot Gauhati with effect from the forenoon of 1st August, 1977, until further orders

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 18th October 1977

No A 12024.1.76-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr (Smt) G. K. Sachu to the post of Dental Surgeon on *ad hoc* basis for the under-mentioned periods—

- (i) From 16th May, 1977 to 10th July, 1977 *vice* Dr. N. Pinto-Do-Rosario, Staff Surgeon (Dental) (CGHS) on leave
- (ii) From 11th July, 1977 to 27th July, 1977 *vice* Dr P. K. Sarin, Dental Surgeon (CGHS) on leave.
- (iii) From 28th July 1977 to 5th August, 1977 *vice* Dr (Smt) Manjeet Kaur, Dental Surgeon, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, on leave
- (iv) From 1st September, 1977 until further orders under the C.G.H.S., New Delhi

The 19th October 1977

CORRIGENDUM

No A 31013.17/76(JIP)Admn I.—In the Directorate General of Health Services notification No. A 31013/17/76(JIP)Admn I, dated 20th September, 1977, for "20th August, 1977", read "20th August, 1976".

No A 12025.7.77(SD)Admn I.—The President is pleased to appoint Dr Satyendra Nath Bose to the post of Bio-chemist in the Office of the Seiologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, with effect from the forenoon of 27th September, 1977 in an officiating capacity and until further orders

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 19th October 1977

CORRIGENDUM

No. 9-34/75-CHS I—Para 2 of this Directorate's Notification No. A 11017/1/76-CGHS-I., dated 10-8-77 may please be read as under—

"Dr. (Mys.) Urmila Gautam, Ayurvedic Physician (*ad hoc*) in C.G.H.S. Nagpur, relinquished charge of the post from the forenoon of the 14th July, 1977."

N. S. BHATIA
Deputy Director Admin (CGHS)

New Delhi, the 22nd October 1977

No. A 12026/3/77-DC—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. L. Choudhury, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Junior Scientific Officer (Pharmaceutical Chemistry), in the same laboratory with effect from the forenoon of 10th August, 1977 on *ad hoc* basis and until further orders.

No. A 12026/3/77-DC—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. K. Chatterjee, Research Assistant (Bio-Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Junior Scientific Officer (Bio-Chemistry), in the same laboratory with effect from the forenoon of 12th August, 1977 on an *ad hoc* and until further orders.

No. A 12026/3/77-DC—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. N. Sarkar, Research Assistant (Pharmaceutical Chemistry), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Junior Scientific Officer (Pharmaceutical Chemistry) in the same laboratory with effect from the forenoon of the 10th August, 1977 on an *ad hoc* basis and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 17th October 1977

No. F.4-6(7)/74 A.III.—The Service of Shri R. P. Sachdeva, Assistant Marketing Officer of this Directorate are placed at the disposal of the Delhi Agricultural Marketing Board for appointment as Secretary, Agricultural Produce Market Committee, Azadpur, on foreign service terms for a period of one year with effect from 1-8-1977 (F.N.).

No. 4-6(108)/76 A III—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri R. B. Saha, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been relieved of his duties in this Directorate at Calcutta with effect from 30-9-77 (A.N.).

No. F.4-13(56)/77-A III—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. N. Patil, Senior Chemist, has been appointed to officiate as Junior Scientific Officer in this Directorate at Madras with effect from 19-9-1977 (F.N.), until further orders.

No. F.4-6(125)/77-A III—Shri V. K. Singhal, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, (Group III) in the Directorate of Marketing & Inspection at New Delhi with effect from 26-9-77 (F.N.) on short-term-basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India.

DELI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 22nd October 1977

No. 3-16/77-Estt(Spl).—Chairman, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Shri K. K. Mahajan as Accounts Officer (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme on deputation with effect from 7-10-1977 (A.N.) until further orders.

GORAKH RAM
Chairman

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 6th October 1977

No. DPS/A/32011/2/75 Est 30588—In continuation of this Directorate Notification of even number dated February 17, 1977, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Gujarat on deputation to this Directorate, as a temporary Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period ending February 28, 1977.

B. G. KULKARNI
for Administrative Officer

Bombay-400 001, the 15th March 1977

No. DPS/A/32011/2/75-Fst 6300—In continuation of this Directorate notification of even number dated 17th February 17, 1977, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Asiz Shaikh, a permanent Upper Division Clerk in the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis for a further period from 13-1-1977 to 15-1-1977 vice Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer extended leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 14th October 1977

No. MAPP/3(1232)/77-Adm.—Shri S. Dharmar, an Officiating Section Officer (Accounts), Southern Railway is appointed as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity in this Project with effect from the forenoon of September 5, 1977, until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 24th October 1977

No. 05000 M-123, 5665—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gurvanji Kalyanji Maniar to officiate as Labour-cum-Welfare Officer, in Heavy Water Project (Baroda), in a temporary capacity, with effect from October 5, 1977 (F.N.) until further orders.

T. C. SATHYAKERTHY
Senior Administrative Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 15th October 1977

No. E(I)01008.—The Director General of Observatories, hereby appoints the undermentioned Professional Assistants to officiate as Assistant Meteorologist as follows :

S.No.	Name	Period		Office to which posted
		From	To	
1.	Shri R. M. Saxena	.	3-9-77	30-11-77 } Dy. Director General of Observatories
2.	Shri Krishna Prasad	.	16-8-77	11-11-77 } (Instruments), New Delhi.
3.	Shri S. N. Theraja	.	16-8-77	11-11-77 }
4.	Shri H. R. Ganesan	.	1-9-77	19-11-77 } Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.
5.	Shri G. S. Prakasa Rao	.	2-9-77	19-11-77 } Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
6.	Shri R. V. Kelkar	.	23-8-77	19-11-77 }
7.	Shri R. Chaudhury	.	23-8-77	19-11-77 } Director (Instruments) Pune.
8.	Shri A. N. Rao	.	23-8-77	19-11-77 }
9.	Shri K. Narasimhamurthy	.	23-8-77	31-10-77 } Director (Agrimet) Pune.
10.	Shri S. Venkataraman	.	23-8-77	19-11-77 }
11.	Shri V. Sundaresa Rao	.	23-8-77	19-11-77 } Regional Meteorological Centre, Madras.
12.	Shri V. M. Vardarajan	.	2-9-77	16-11-77 }
13.	Shri B. K. Venkataraman	.	23-8-77	19-11-77 } Meteorological Centre, Bangalore.
14.	Shri P. E. Cherian	.	2-9-77	19-11-77 } Meteorological Centre, Trivandrum.
15.	Shri R. V. Subrahmanyam	.	23-8-77	19-11-77 } C.W.C. Visakhapatnam
16.	Shri P. Venkata Rama Rao	.	25-8-77	19-11-77 }
17.	Shri B. G. Lele	.	23-8-77	19-11-77 }
18.	Shri A. K. Chakrabarty	.	9-8-77	5-11-77 } Regional Meteorological Centre,
19.	Shri K. P. Padmanabham	.	9-8-77	5-11-77 } Bombay.
20.	Shri K. K. Bhowmik	.	23-8-77	10-11-77 }
21.	Shri A. K. Dutta	.	23-8-77	17-11-77 }
22.	Shri A. K. Bandyopadhyaya	.	23-8-77	15-11-77 } Regional Meteorological Centre,
23.	Shri A. K. Mukherjee	.	23-8-77	11-11-77 } Calcutta.
24.	Shri N. C. Mukherjee	.	23-8-77	9-11-77 }
25.	Shri P. C. Mukherjee	.	7-7-77	20-8-77 }
26.	Shri S. C. Mitra	.	23-8-77	18-11-77 } Regional Meteorological Centre, New Delhi till 14-9-77 and Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi thereafter.

M. R. NAGASUBRAMANIAN, Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 18th October 1977

No. F(I)00911.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri B. Manikiam as an Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13th September, 1977 and until further orders.

Shri Manikiam is posted to the office of the Director, Instruments, Pune.

No. E(I)00942.—The Director General of Observatories, New Delhi hereby appoints Shri Babu Lal Verma as Assistant Meteorologist in the India Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th August 1977 and until further orders.

Shri Babu Lal Verma is posted to the office of the Deputy Director General of Observatories (Climatology) Pune

The 26th October 1977

No. E(I)05943.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri K. P. Hazra, who was allowed to officiate as Assistant Meteorologist till 13-9-77 vide this office Notification No. E(I)01008 dated 14-9-77, as officiating Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) on a regular basis with effect from the forenoon of 12-9-77 and until further order.

Shri Hazra is posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 24th October 1977

No. F(I)05485.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri M. D. Kundra, who is already officiating as Assistant Meteorologist on short term basis to officiate

as Assistant Meteorologist on a regular basis in the India Meteorological Service, Group B (Central Civil Service Group B) with effect from 17-9-77 and until further orders

Shri Kundia is posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th October 1977

No. A.38015/10/77-FS—Shri P. N. Tahiliani, store Officer in the office of the Central Radio Store Depot, New

Delhi relinquished charge of his office in the afternoon of 31-7-77 on retirement from Govt Service on attaining the age of superannuation

S. L. KHANDPUR
Assistant Director, Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd October 1977

No 19013/16/72-E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri C. R. Thirumalai, retired from Government service and relinquished charge of the office of the Deputy Director General Civil Aviation Department, New Delhi on the afternoon of the 30th September, 1977.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 14th October 1977

No A. 32013/9/76-EC—In continuation of this office Notification No. A 32013/9/76-EC dated the 6th July, 1977, and dated 23rd/30th July, 1977, the President is pleased to extend the ad-hoc promotion of the following Senior Technical officer in the Civil Aviation Department beyond 31-8-1977 for further period of three months or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Station of posting
1. Shri S. P. Hardas	.	A.C.S. Gauhati
2. Shri B. N. M. Rao	.	A.C.S. Hyderabad
3. Shri V. K. Chaudhury	.	A.C.S. Bombay
4. Shri S. Krishnaswamy	.	A.C.S. Madras
5. Shri Sushil Kumar	.	D.G.C.A. (HQ)
6. Shri J. V. Sarma	.	Regional Office, Bombay.
7. Shri R. K. Sood	.	C.A.T.C. Allahabad.

No A 38015/26/77-EC.—While proceeding on Earned leave for 105 days with effect from 5-9-1977 to 18-12-1977 Half-Pay leave for 286 days with effect from the 19-12-1977 to 30-9-1978 as L.P.R. Shri S. A. H. Pasha, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of the post on the 5-9-1977 (F.N.) and on expiry of leave, he will stand retired from Government service on the 30-9-1978 (AN) under the provisions of F.R. 56(k).

The 18th October 1977

No A 38012/1/77-EC—Shri R. K. Verma, Senior Technical Officer, Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31-8-1977 (AN) on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation.

No A.38012/1/77-EC—Shri V. K. Babu, Senior Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras was granted Earned Leave for 143 days as LPR with effect from the 11-4-1977 to 31-8-1977 on expiry of leave retired from Government Service on the 31-8-1977 (AN) on attaining the age of superannuation

S. D. SHARMA
Dy. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 7th October 1977

No. 1/412/77-EST—Shri P. Sreenivasulu, Technical Assistant, Madras Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis, in the same Branch with effect from the forenoon of 2nd July, and until further orders

The 20th October 1977

No 1/441/77-EST—Shri D. L. Sambharis, Supervisor, New Delhi Branch, has been appointed as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Calcutta Branch with effect from the forenoon of 9th August, 1977, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE - NAGPUR

Nagpur, the 19th October 1977

No 35.—Shri N. S. Dixit, Assistant Collector (L.R.) of this Collectorate has proceeded on L.P.R. for 174 days w.e.f. 9-10-1977 to 31-3-1978 on expiry of which he will retire from Government service.

No 36.—Shri D. P. Mathur, Assistant Collector (Hqrs) of this Collectorate is proceeding on L.P.R. for 135 days w.e.f. 17-10-77 to 28-2-78 on expiry of which he will retire from Government service

No 37/77.—Shri A. P. Arora, Superintendent, Central Excise, Group-B in this Collectorate, who has already attained the age of 50 years has been retired from Government Service under F.R. 56(j)(1) in the afternoon of 27-4-1977

No 38/77.—Shri S. D. Joshi lately posted as Superintendent of Central Excise, Group-B in this Collectorate proceeded on L.P.R. for 146 days w.e.f. 6-10-1977 to 28-2-1978 on expiry of which he will retire from Government service

M. S. BINDRA
Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
PORT OF NEW TUTICORIN
Tuticorin 628004, the October 1977

No A12025(2)/76-Admn.—Chief Engineer & Administrator, Port of New Tuticorin, is pleased to appoint Shri Tara

Singh Saini as Fire-Cum-Assistant Safety Officer in the Port of New Tuticorin in the scale of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the 26th September, 1977 FN and until further orders.

D. I. PAUL
Chief Engineer & Administrator,
Port of New Tuticorin.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 17th October 1977

No. A-19012/11/77-Adm-V.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Supervisor/Design Assistants to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against each officer until further orders. They assumed charge of the posts in offices mentioned against their names.

S. No.	Name of the officer	Date	Name of the office
1.	Shri C. Venkata Rao . . Supervisor	28-7-77 (F.N.)	Eastern Gauging Division, CWC, Bhubneswar.
2.	Shri S. K. Roy Chowdhury . . Design Asstt.	11-8-77 (F.N.)	Central Electricity Authority
3.	Shri R. R. Menon . . Design Asstt.	12-8-77 (F.N.)	

J. K. SAHA, Under Secy.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 18th October 1977

No. E/283/148(O).—Shri M. M. Patwari, Head Master (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Head Master with effect from 1-4-77

No E/283/III/129 PIII(O).—Shri J. M. Roy Chowdhury, Development Inspector (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Controller of Stores with effect from 4-4-77.

No E/283/30/PVI(O).—Shri R. K. Das, AAO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Senior Personnel Officer with effect from 19-4-77.

No E/283/30/PVI(O).—Shri H. N. Sen Gupta, CLW1 (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt Personnel Officer with effect from 25-4-77.

No E/283/30/PVI(O).—Shri H. K. Mukherjee, CPI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt Personnel Officer with effect from 26-4-77.

No E/283/30/PVI(O).—Shri P. K. Bose, CA to GM (Class III) is appointed to officiate in class II service as Asstt Personnel Officer with effect from 26-4-77.

No E/283/30/PVI(O).—Shri M. R. Chanda, PA to SD-GM (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt Personnel Officer with effect from 26-4-77.

No E/283/III/54 PVIII(O).—Shri A. C. Bose Sr. Foreman (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt Electrical Engineer with effect from 2-5-77.

No E/283/31 PIX(O).—Shri R. P. Bhattacharjee, PWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt Engineer with effect from 5-5-77.

No F/283/III/133PIX(O).—Shri C. R. Mukherjee, CTCI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt Signal & Tele. Comm. Engineer with effect from 13-5-77.

6-326GI/77

No E/292/31/Pt-IX(O).—Shri C. R. Sarkar, IOW (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as Asstt Engineer with effect from 8-6-77.

M R N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, U.P.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Swadesh and Company Private Limited

Kanpur, the 19th October 1977

No 9290/2205-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Swadesh and Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Gorakhpur Card Board and Allied Industries Private Limited

No 9291/3912-L-C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gorakhpur Card Board and Allied Industries Private Limited, unless cause is shown to the Contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act 1956, and of
Nalanda Human Limited

No. 9292/4178-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nalanda Human Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Dhanjibhai & Tricem Lal & Company Limited*

Ahmedabad, the 20th October 1977

No 17/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dhanjibhai & Tricem Lal & Company Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956, and of
M/s Agro Rubber Works Pvt Ltd*

No 2283/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Agro Rubber Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

J. G. GATHA
Registrar of Companies

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 22nd October 1977

Ref No 20/MAR/77—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 635/1, 633/5 & 6,

situated at Arthur village, Salem district
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Arthur (Doc No. 198/77 on 1-3-1977
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri M. Govindasamy Naicker,
 2. Shri G. Rapendran,
 3. Shri G. Ramachandran,
 4. Shri G. Ganesan.
 5. Shri G. Arumugam,
 6. Shri G. Singaravelan, } minors by father &
 7. Shri G. Amaranathan, } guardian Shri M.
 Angamuthu Naicker Street, Mettu Street, Athur
 Town, Salem Distt.

(2) Shri M. P. Muthusamy,
S/o Padmanabha Chettiar,
285, Salem-Cuddalore Main Road,
Arthur town, Salem District.

(Transferon)

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 40 cents in Survey Nos 635/1 (2.88 acres with 1 well & 5 HP motor pumpset), 633/5 (1.19 acres with 1 well & 5 HP motor pumpset) and 633/6 (1.33 acres) at Athur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Date : 22-10-1977

Scal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th October 1977

Ref No 286-A/Acq/Meerut/77-78.—Whereas I, R P BHARGAVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 2-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mohd. Hamid S/o Alauddin, sc/f and as Mukhtaraam of Mohd. Masood, R/o Lal Kurti, Meerut Cantt. and Muhiuddin S/o Mohd. Hamid, Lal Kurti, Meerut Cantt

(Transferor)

(2) S/Shri Navug Sahkari Grah Nirman Samiti Regd. No. 2459, Through Gautam Sharma S/o Tara chand Sharma, President, Brahmputra, Meerut

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of land measuring 13 Biswa, 1 Biswanst, 4 Kachwansi comprised in Khasia Nos. 5538 and 5540, situated at Prabhat Nagai, Opp. Saket, Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 59,310/-

R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Swastick Construction Company, at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M Srinivasa Chari, II No. 17-6-211 at Outside Dabu pura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 25th October 1977

Ref. No RAC No 124/77-78.—Whereas I, K. S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises No 336 Office situated at S D Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 24-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) Director, The Atomic Mineral Development Division, Dept of Atomic Energy, at 111-S D Road, Secunderabad.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office premises bearing No 336 in Chandralok Building of 3rd floor, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad registered *vide* Document No 391/77 in the office of the Sub-Registrar SecunderabadK S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 25th October 1977

Ref No RAC No 125/77-78—Whereas I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Premises No 331 & 332 situated at S D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 24-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Swastic Construction Company, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad
(Transferor)

(2) Sri M Bhadrabah Chari H No 17-6-211 at Outside Dabir pura, Hyderabad.
(Transferee)

(3) Director, Atomic Mineral Development Division Deptt. of Atomic Energy, at 111-S D Road, Secunderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 331 and 332 (50%) on the 3rd floor of Chandralok Building situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered *vide* document No. 392/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 25-10-1977
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sh Ajit Singh Pannu S/o
Sh Gajinder Singh of
Haveli Mughlan Bassi Pathana (Patiala)
through General Attorney Sh Avtar Singh Sekhon
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

(2) Bhai Satinder Pal Singh s/o
Bhai Siri Ram Singh,
V. Jhumba,
Teh & Distt Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 25th October 1977

Ref. No CHD/15/77-78—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 66, Sector 11-A, Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential House bearing No 66, Sector 11-A, Chandigarh (Area—500 Sq. yds)
(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl No. 132 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rattan Lal Sachdeva s/o
Shri Gurur Ditta,
R/o House No 2127, Sector 21,
Chandigarh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1977

- (2) (i) Shri C D Ahuja s/o
Shri Bhagwan Das Ahuja,
(ii) Mrs Brj Ahuja W/o Sh C D Ahuja,
R/o House No 96-B, Sector 30-B,
Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. CHD/31/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1105, Sector 18-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No 1105, built on Plot No. 73-P, Sector 18-C, Chandigarh, measuring 189 79 Sq yards Single Storey with one room on first floor.

(Property as mentioned in the Sale Deed registered vide st No 7 of April, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. DLF United Limited,
40-F, Connaught Place,
New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ply Cast Delhi (Pvt.) Ltd.,
B-11, Greater Kailash-I,
New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SONFPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BGR(DLI)/21/76-77.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential plot measuring 1901-75 sq. yds situated at DLF's Model Town, Sector 11, Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Three pieces of land measuring 131-75 sq. yards, 1307-sq. yds and 463 sq. yds (Total 1901-75 sq. yds) situated in DLF's Model Town, Faridabad (Sector 11).

(Property mentioned in sale deed registered at Sl. No. 142 of March, 1977 of the Registering Authority, Delhi)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

326—GI/77

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 25-10-1977

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 5th October 1977

Ref No P R No 519 Acq. 23-948/19-8/77-78 —Whereas I, S C PARikh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 9, Nondh No 347 paiki situated at Chakawalani Sheri, Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhisma Nanubhai alias Krushnalal Thakor self and as Karta and Manager of His H. U. F and P.A. Holder of Shri Devi Bhisma Thakor and guardian of Minors Nimish Bhisma Thakor and Keyu Bhisma Thakor and P.A Holder of Vasantkaben Vilendra Thakor, Pushpak Apartment, 31, Altamount Road, Bombay

(Transferor)

(2) Shri Dhansukhlal Maneklal Jariwala, Wadi Falia, Khandwalani Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building bearing Ward No 9, Nondh No. 3147 paiki at Chakawalani Sheri Wadi Falia, Surat admeasuring 359 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 21 in the month of June, 1977, by registering Officer, Surat

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-580004**

Dharwar-580004, the 22nd October 1977

Ref No. 194/77-78/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 466, situated at Humnabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Humnabad, Under Document No 1550 on 23-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Baswanayya S/o Rachotayya Matapathi,
2 Shri Rudranna S/o Baswanayya,
3 Shri Vijayakumar S/o Baswanayya,
4 Shri Siddayya S/o Baswanayya and
5 Smt Shashikala W/o Mallayya,
Humnabad.

(Transferees)

- (2) M/s. Patel Saw Mills,
Through Shri Ramjibhai Vishram Patel,
Humnabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot in Survey No 466 at Humnabad, measuring 4650 Sq. Metres.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date . 22-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th October 1977

Ref. No. IAC/ACQ/46/77-78.—Whereas I, H. C. SHRI-VASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

NIT lease Hold Plot No. 51-A, Gokulpeth, Nagpur, situated at Gokulpeth, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Gajanan Construction Co.,
Gokulpeth, Nagpur,
Through Partners.

(Transferor)

(2) Dr Ramesh Bhauqa Bakane,
C/o Fentsess County General Hospital
R/o James Town, Tenn, 38566 USA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

NIT Lease hold Plot No 51-A situated in Civil Station Extension scheme, Gokulpeth, Nagpur

H. C. SHRI-VASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 10th October 1977

Ref No IAC/ACQ/47/77-78 —Whereas I, H C SHRI-VASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 5.85 Acres of land out of Khasra No 102, Mouza Dhaba, Tah & Dist Nagpur situated at Dhaba Tah & Dist Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on -2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Nathu Alias D Shedame, Dhaba Tah, & Dist Nagpur.
- 2 Shri Rambhai Nathaji Shedame, Dhaba Tah, & Dist Nagpur.
- 3 Smt Tulsabai Motiram Bhangre, Dhukhad Teh. Katol, Dist Nagpur
- 4 Smt Gangabai Wasudeo Chikankar, Dhaba Tah, & Dist, Nagpur.
5. Lalabai Ramaji More, Unadi Tah. Saoner, Dist. Nagpur
- 6 Smt Banabai S. Rao, Nagpur.

(Transferor)

- (2) Prakash Institute of India, Chandan Bazar, Through Trustee, Shri Devidas Ramkrishna Borkar, Wadi Tah, & Dist, Nagpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as a/c defind in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.85 Acres of land out of Khasia No. 102, of Mouza Dhaba, Tah & Dist. Nagpur.

H C SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 10-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Parkash Taneja, s/o
Sh. Bhola Ram Taneja, r/o
4/37, W E A., Karolbagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chaman Lal, s/o
Shri Bhagwan Das, r/o
7/10, Ramesh Nagar, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)**

New Delhi, the 25th October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No IAC/Acq II/1283/77-78—Whereas I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No F-9, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. F-9 situated at Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road 30'
South : Lane 15'
East : Plot No. F-10
West : Plot No. F-8.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bohar Singh s/o Sh. Ishwar Singh,
r/o A-4 Jagat Puri, Delhi-51.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 25th October 1977

Ref No IAC/Acq II/1282/77-78.—Whereas I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No B-6/15, situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 11-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt Damyanti Devi w/o Sh. Hari Ram
r/o 265 Kucha Sanyogiram, Naya Bans, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring about 71 sq yds bearing Plot No B-6/15 situated in Krishan Nagar, Mauza Gaundhi, Ilqa Shahdara, Delhi and bounded as under :—

East : Building No B-6/14
West : Other portion of Property No. B-6/15.
North : Wall and other portion of property No B-6/15.
South : Road.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 25-10-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 4/14A, ASAFAJ ROAD,
 NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 25th October 1977

Ref No IAC Acq II/1281/77-78 —Whereas I, A. L SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No H-4/6, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-3-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Shri Jai Mal Singh s/o Sh Nand Singh,
 2 Smt Avtar Kaur w/o Sh Jai Mal Singh
 r/o 293, Mukheng Road, Tila Udar Thailand,
 through G Attorney Sh Inder Jit Singh r/o C-211
 Gt Kailash-I, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Harish Chander and Ramesh Chander sons of
 Sh Mangal Sam Tandon,
 r/o B-9 Gujranwala Town, Patti-II,
 Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No 6 Block No H-4 measuring 320 sq. yds situated in Model Town, Delhi and bounded as under :—
 North . Plot No H-4/7.
 South Plot No. H-4/5
 East . Road.
 West . Road.

A. L SUD,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 25-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Atma Singh s/o Sh. Wazir Singh Kler,
Hospital Road, Kot Kapura

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

(2) Sh Om Parkash s/o Sh Des Raj,
Grain Market, Kot Kapura

(Transferee)

(3) As per S No 2

[Person in occupation of the property]

(4) Any body interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 19th October 1977

Ref. No. AP /77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule
situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/6th share of 250 sq yard property situated at Kot Kapura as mentioned in registration deed No. 3426 of March, 1977 with the S.R. Faridkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date . 19-10-1977
Seal .

FORM ITNS

(1) Sh. Ajaib Singh s/o Sh. Wazir Singh Kler,
Hospital Road, Kot Kapura

(Transferor)

(2) Sh. Kamal Jindal s/o Sh. Om Parkash,
Grain Market, Kot Kapura

(Transferee)

(3) As per S. No 2
[Person in occupation of the property](4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 19th October 1977

Ref No. AP-49/77-78.—Whereas I, P N MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

On building situated on Hospital Road, Kot Kapura as mentioned in sale deed No 3425 of March, 1977 with the S. R. Faridkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sher Singh s/o Sh. Budha Singh,
V. Sunayea, Teh. Batala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Gurmeet Singh s/o Sh. Harbans Singh,
c/o Azad Hind Foundry,
G.T. Road, Batala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th October 1977

Ref. No. AP.52/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Five shops on an area of 7 marlas on Aliwal Road, Batala as mentioned in registration deed No. 6510 of March, 1977 with the S. R. Faridkot

P. N. MALIK,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 19-10-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th October 1977

Ref. No /77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situate at Kot Kapura (a. more fully, described in the schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1919) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh Sadhu Singh s/o Sh. Wazir Singh Kler, Hospital Road, Kot Kapura.
(Transferor)
- (2) Smt Darshna Devi w/o Sh. Om Parkash, c/o M/s Hans Raj Jagdish Rai, Commission Agents, Old Mandi, Near Gurdwara, Kot Kapura.
(Transferee)
- (3) As per S. No 2
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property
[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/6th share of 250 sq yard property situated at Kot Kapura as mentioned in registration deed No. 3427 of March, 1977 with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 19-10-1977

Seal :